प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्वच्छ भारत अभियान को इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जनआंदोलन करार दिया और कहा कि 'विकसित भारत' की यात्रा में हर प्रयास 'स्वच्छता से संपन्नता' के मंत्र को मजबूत करेगा।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:150 दिनांक:03-10-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने आज दोपहर सुरक्षा प्रतिष्ठान के प्रमुखों के साथ चर्चा की। अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक इस्राइली वायु सेना के साथ मिलकर ईरानी मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने के लिए सक्रिय हो गए हैं।

G-7 देशों ने बुलाई आपात बैठक, पश्चिम एशिया में जबरदस्त तनाव

यरुशलम। ईरान द्वारा इजरायल पर मिसाइल अटैक के बाद जी-7 देशों ने तनाव कम करने के लिए बुधवार को आपात बैठक बुलाई गई। यह निर्णय इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की अध्यक्षता में जी-7 के अन्य नेताओं के साथ एक तत्काल सम्मेलन के दौरान लिया गया। बातचीत के दौरान, जी-7 के नेताओं ने इजरायल के खिलाफ ईरान के हमले की कड़ी निंदा की। इस बीच भारत ने अपने नागरिकों से ईरान छोड़ने के लिए कहा है।

इजरायल पर ईरान द्वारा किए गए हमले के बाद उत्पन्न स्थिति पर विचार के करने के लिए संपन्न देशों के संगठन जी-7 ने बुधवार को आपात बैठक बुलाई है। वहीं इजरायल और ईरान में टकराव की आशंका से विश्व बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमत में ढाई प्रतिशत तक का उछाल आया है। इस बीच भारत ने अपने नागरिकों से ईरान छोड़ने के लिए कहा है।

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड फोर्स ने दावा किया है कि मंगलवार रात के हमले में इजरायल में खुफिया संगठन मोसाद के मुख्यालय, एफ-35 लड़ाकू विमानों के वायुसेना ठिकाने और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। लेकिन इजरायल ने अमेरिका और जार्डन के सहयोग से ईरान के मिसाइल हमले को काफी हद तक विफल कर दिया। कई दायरों वाले डिफेंस सिस्टम के चलते इजरायल तक बहुत कम ईरानी मिसाइलें पहुंच पाईं।

जी-7 देशों - कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका - ने एक बयान जारी कर पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई है और जोर देकर कहा है कि बढ़ते संघर्ष का कूटनीतिक समाधान 'अभी भी संभव है।'

इटली से जारी एक बयान में कहा गया है कि जी-7 ने दोहराया है कि क्षेत्रीय स्तर पर संघर्ष किसी के हित में नहीं है और इसका कूटनीतिक समाधान अभी भी संभव है। इटली अभी जी-7 का अध्यक्ष है। इससे पहले, मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा था कि ईरान को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे और अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए इस्राइल के साथ मिलकर काम करेगा। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर इस्राइल की जवाबी हमले की कार्रवाई का समर्थन नहीं करते हैं। जब बाइडन से पत्रकारों ने पूछा कि क्या वह ऐसी संभावना का समर्थन करते हैं, तो उन्होंने इसका जवाब नहीं दिया। बाइडन ने कहा कि इस्राइल को कल के ईरानी मिसाइल हमले का जवाब देने का अधिकार है। लेकिन उसे ऐसा समान रूप से करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका इस हमले के कारण ईरान पर नए प्रतिबंध लगाएगा। व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने आज जी7 नेताओं के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने इस्राइल पर मिसाइल हमले के बाद ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों का आह्वान किया। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया है, ठबाइडन और जी7 ने इजरायल के खिलाफ ईरान के हमले की स्पष्ट शब्दों में निंदा की। राष्ट्रपति बाइडन ने इस्राइल और उसके लोगों के प्रति अमेरिका की पूर्ण एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया, और इस्राइल की सुरक्षा के लिए अमेरिका की दृढ़ प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की।

महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट आज से यूएई में शुरु होगा , दस टीमें भाग लेंगी

भारतीय टीम 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड, 6 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलेगी

दुबई (ईएमएस)। महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट गुरुवार से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। इसमें 10 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम के साथ इसमें ग्रुप ए में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें हैं। दूसरे ग्रुप में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं। टूर्नामेंट में कुल 23 मैच होंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैचों के लिए 'रिजर्व डे' रखा गया है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसमें भारतीय टीम को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। पहले ये टूर्नामेंट बांग्लादेश में होना था पर हिंसा और खराब राजनीतिक हालातों के कारण इसे यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपना पहला मैच 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम 6 अक्टूबर को पाकिस्तान से मुकाबला करेगी। भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट से पहले शानदार फार्म में है। उसने अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को 28 रन से हराया। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 20 रन से हराया था। ये टूर्नामेंट सबसे अधिक छह बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है जबकि एक-एक बार इंग्लैंड मैचों का कार्यक्रम इस प्रकार है

तारीख	मैच	स्थान
4 अक्टूबर	भारत और न्यूजीलैंड	दुबई
6 अक्टूबर	भारत और पाकिस्तान	दुबई
9 अक्टूबर	भारत और श्रीलंका	दुबई
13 अक्टूबर	भारत और ऑस्ट्रेलिया	शारजाह
17 अक्टूबर	पहला सेमीफाइनल	दुबई
18 अक्टूबर	दूसरा सेमीफाइनल	

ईरान और इजराइल के बीच जंग के असर, कई दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों ने बदले रुट

कई एयरलाइंस कंपनियों ने रद्द कर दीं उड़ानें

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईरान और इजराइल में तनाव बढ़ने का असर दुनियाभर में दिख रहा है। इस बीच विमानन क्षेत्र गहरा असर पड़ा है। मिडिल ईस्ट में जंग के बीच कई दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों ने अपने रास्ता बदल लिया है या फिर सस्पेंड फ्लाइट्स की डेडलाइन को आगे बढ़ा दिया है। पहले इजराइल-फिलिस्तीन, फिर इजराइल और हिजबुल्लाह और अब इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष ने लुफ्थांसा से लेकर अमीरात तक की उड़ानों को प्रभावित किया है। एअर इंडिया ने भी दोनों देशों के बीच बढ़ते संघर्ष पर चिंता जाहिर की है।

वहीं कई एयरलाइनों ने इजराइल और लेबनान के लिए अपनी उड़ानों के निलंबन को आगे बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, लुफ्थांसा, केएलएम, अमीरात और स्विस एयरलाइंस सहित टॉप एयरलाइनों ने इजराइल, ईरान और लेबनान के लिए अपनी उड़ानों के निलंबन की घोषणा की है।

युद्ध बढ़ने की आशंका के चलते डच एयरलाइन केएलएम ने कहा है कि कंपनी ने क्षेत्र की नाजुक स्थिति को देखकर साल के अंत तक तेलअवीव के लिए अपनी सभी उड़ानें सस्पेंड कर दी हैं। रिपोर्ट में एयरलाइंस के प्रवक्ता ने हवाले से जानकारी दी गई है। बता दें कि अगस्त में केएलएम एयरलाइंस ने ऐलान किया था कि इजराइल के लिए सभी उड़ानें 26 अक्टूबर तक निलंबित की गई हैं, लेकिन अब इस डेडलाइन को बढ़ा दिया गया है।

वहीं जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा ने कहा कि वह 30 नवंबर तक बेरूत, 31 अक्टूबर तक तेल अवीव और 14 अक्टूबर तक तेहरान के लिए उड़ानें निलंबित कर रही है। इससे पहले दुबई की अमीरात एयरलाइंस ने गुरुवार की इराक, ईरान और जॉर्डन की उड़ानें कैंसिल की हैं और बेरूत की उड़ानों का निलंबन 8 अक्टूबर तक बढ़ाया है। कुवैत एयरलाइंस ने कुछ रूट्स को चेंज किया है, डेस्टिनेशन टाइमिंग पर असर पड़ा है। एयरलाइन ने कहा है कि यह जरूरी सुरक्षा उपायों के तहत किया गया फैसला है। ईरान एयर, इराकी एयरवेज, बहरीन स्थित गल्फ एयर और दोहा स्थित कतर एयरवेज ने भी अगली सूचना तक बेरूत के लिए सभी उड़ानें निलंबित कर दी हैं। वहीं एयर अरेबिया ने बेरूत के लिए अपनी सभी उड़ानें सस्पेंड कर दी हैं। फिलाय दुबई ने अपनी दुबई-बेरूत उड़ान को 7 अक्टूबर तक के लिए रद्द कर दिया है।

रॉयल जोडर्न ने मौजूदा स्थिति के बीच लेबनान की राजधानी के लिए उड़ानें निलंबित की हैं। आईटीए एयरलाइंस इटली ने तेल अवीव की उड़ानों के निलंबन को 31 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। ब्रिटिश एयरलाइन ने तेल अवीव की उड़ानों को 7 अक्टूबर तक रद्द कर दिया है। एयर फ्रांस ने भी घोषणा की कि उसकी पेरिस-तेल अवीव और पेरिस-बेरूत उड़ानें 8 अक्टूबर तक रद्द हैं।

इस बीच भारत की एअर इंडिया ने कहा कि हम मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष पर बारीकी से निगाह रखे हुए हैं और सुरक्षा जोखिमों का मूल्यांकन जारी है। कंपनी ने कहा है कि चाहे वह मिडिल ईस्ट हो या फिर रूट नेटवर्क के अन्य हिस्से सुरक्षा के लिए जरूरी एडजस्टमेंट किया जाएगा।

लेबनान में इजरायल के अब तक 14 सैनिक मारे गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। लेबनान में इजरायल की तरफ से जमीनी ऑपरेशन जारी है। इजरायली सेना ने बताया कि इसमें आठ सैनिकों की मौत हो गई। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, इजरायल के अब तक 14 सैनिक मारे जा चुके हैं। ज्ञात रहे कि ईरान ने मंगलवार को इजराइल पर कम से कम 180 बैलेस्टिक मिसाइल दागीं। इजरायल और ईरान के बीच भी तनाव काफी बढ़ गया है।

सोमवार देर रात, इज़रायल की सेना ने दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्रों में हिज़्बुल्लाह के खिलाफ लिमिटेड और टारगेटेड रेड्स शुरू किए। इज़रायल की ग्राउंड फोर्स को लड़ाकू विमानों और आर्टलरी फायर से समर्थन मिलता है। अमेरिका ने सोमवार को कहा था कि इजरायली सेना लेबनान में सीमित अभियान चला रही है। इसके कुछ ही घंटों बाद इजरायली सेना ने औपचारिक रूप से जमीनी आक्रमण शुरू कर दिए। सेना ने ये नहीं बताया कि घुसपैठ में कितने सैनिक शामिल थे, लेकिन कहा कि उसका 98वां डिवीजन, जिसमें पैराट्रूपर्स और कमांडो इकाइयां शामिल थीं, इस हमले में शामिल हैं।

ईरान ने जारी की मोस्ट वांटेड लिस्ट, नेतन्याहू, योआव गैलेंट और हर्जी हलेवी के नाम

तेहरान (ईएमएस)। ईरान ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और सेना प्रमुख हर्जी हलेवी सहित 11 लोगों की मोस्ट वांटेड लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट को इजरायली आतंकवादियों के खात्मे की लिस्ट के रूप में जारी किया गया है। यह कदम ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव को और बढ़ा सकता है।

ईरान के खुफिया मंत्रालय ने हिब्रू में एक धमकी जारी की है, धमकी में कहा गया है कि वे जल्द ही इजरायल की सुरक्षा संस्थानों के प्रमुखों और प्रधानमंत्री को खत्म कर दूंगा। ईरान तब लड़ाई के मूड में आ गया जब इजरायली सेना ने लेबनान में हिज्बुल्लाह के हेडक्वार्टर पर हमले में संगठन प्रमुख हसन नसरल्लाह को मार गिराया। बीते दिनों मिसाइल हमले को भी ईरान ने उनकी और हमास के पॉलिटिकल लीडर इस्माइल हानिया की मौत का बदला बताया था।

ईरान की हिट लिस्ट में बेंजामिन नेतन्याहू (प्रधानमंत्री), योआव गैलेंट (रक्षा मंत्री), हर्जी हलेवी (जनरल स्टाफ के प्रमुख), टोमर बार (इजरायली वायु सेना के कमांडर), सार सलामा (इजरायली नौसेना के कमांडर), तामिर यादई (ग्राउंड फोर्स के प्रमुख), अमीर बारम (जनरल स्टाफ के उप प्रमुख), अहरोन हलीवा (सैन्य खुफिया प्रमुख), ओरी गॉर्डिन (उत्तरी कमान के प्रमुख) येहुदा फॉक्स (मध्य कमान के प्रमुख) एलिएजर टोलेडानो (दक्षिणी कमान के प्रमुख) के नाम शामिल है।

इजरायल को क्षेत्र में अपनी क्रूरता को रोकने के लिए मनाने में मदद करे - ईरान के राजदूत ने कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने कहा कि भारत इजरायल को क्षेत्र में अपनी क्रूरता को रोकने के लिए मनाने में मदद करे।

उन्होंने कहा कि अगर इजरायल ईरानी संपत्तियों और उसके हितों पर हमला करने से बाज नहीं आए तो उनका देश इजरायल पर फिर हमला करेगा। उन्होंने इजरायली पीएम को इस सदी का नया हिटलर बताया। इजरायल पर मिसाइल हमले को उन्होंने जवाबी कार्रवाई बताते हुए कहा कि ईरान अपने अंतरराष्ट्रीय हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर मजाक नहीं करता है।

पिछले सप्ताह हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की हत्या के बाद ईरान ने बदला लेने की कसम खाई थी। ईरानी राजदूत ने कहा, अगर इजरायल अपनी शत्रुता और ईरान के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ अपना उल्लंघन नहीं रोकता तो उसे बार-बार ऐसे हमलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, न सिर्फ क्षेत्र में बल्कि पूरी दुनिया भर के लोग पश्चिम एशिया में इजरायल के शत्रुतापूर्ण कदम को देख रहे हैं। हर कोई गाजा और दक्षिणी लेबनान में हो रहे रक्तपात को देख रहे है। लोग गुस्से में हैं और इजरायल ने सभी मानवाधिकार संधियों का उल्लंघन किया है। इसलिए दुनिया उससे नाराज है।

राजदूत ने आगे कहा कि वह मानते हैं कि इजरायल पर ईरान के मिसाइल हमले को दुनिया भर के कई लोगों की ओर से समर्थन दिया जाएगा। इलाही यह भी मानते हैं कि भारत मिडिल ईस्ट में महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके संबंध इजरायल से अच्छे है। उन्होंने कहा, भारत इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्लेयर है। इजरायल के साथ इसके अच्छे संबंध हैं और जैसा पीएम मोदी ने कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। हम ईरान में भी इसे मानते हैं। लेकिन एक देश अगर दूसरे की संप्रभुता का उल्लंघन करता है तो वह देश और क्या कर सकता है?

उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा, भारत, जिसके दोनों पक्षों (ईरान और इजरायल) के साथ घनिष्ठ संबंध हैं वह इजरायल को क्षेत्र में अपनी क्रूरता को रोकने के लिए मनाने में मदद कर सकता है। हर कोई गाजा और दक्षिणी लेबनान में हो रहे रक्तपात को देख रहे है। इजरायली पीएम को राजदूत ने इस सदी का नया हिटलर बताया। उन्होंने कहा, अगर हमारे समय का हिटलर अपनी क्रूरता बंद कर देता है तो उसके देश को परिणाम नहीं भुगतना पड़ेगा।

56 साल बाद सहारनपुर पहुंचा जवान का पार्थिव शरीर

सहारनपुर (ईएमएस)। भारतीय सेना को हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे पर 30 सितंबर को 4 भारतीय जवानों के शव मिले। इनमें एक शव मलखान सिंह का है। बर्फ में दबने से शव खराब नहीं हुआ।

मलखान सिंह सहारनपुर से 30 किलोमीटर दूर फतेहपुर गांव के रहने वाले थे। वह 56 साल पहले 7 फरवरी, 1968 को लापता हो गए थे।

उखरुल में हिंसा, 3 की मौत

इंफाल (ईएमएस)। मणिपुर के उखरुल जिले में बुधवार को नगा समुदाय के दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। 10 से ज्यादा घायल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 163, 2023 की उप-धारा 1 के तहत इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अगले आदेश तक लोगों के घरों से निकलने पर रोक है। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्ष नगा समुदाय के हैं, लेकिन हुनफुन और हंगपुंग नाम के दो अलग-अलग गांव हैं। दोनों पक्ष एक जमीन पर अपना दावा करते हैं। स्वच्छता अभियान के तहत विवादित जमीन की सफाई को लेकर दोनों पक्षों के बीच हिंसा हुई। इलाके में असम राइफल्स को तैनात किया गया है।

वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, बाढ़ के पानी में गिरा

मुजफ्फरपुर(ईएमएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर में वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। जानकारी सामने आ रही है कि हेलीकॉप्टर बाढ़ पीडितों के लिए राहत सामग्री लेकर उड़ा था और अचानक से पानी में जा गिरा। फिलहाल पायलट और सभी जवान सुरक्षित हैं और उन्हे सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है। हेलिकॉप्टर सीतामढ़ी से बाढ़ पीडितों के लिए सामान लेकर उड़ा था। यह हादसा मुजफ्फरपुर के औराई में हुआ है। जब हेलिकॉप्टर नया गांव के वार्ड 13 में पहुंचा तो अचानक से अनियंत्रित हो गया और पानी में जा गिरा।

नेपाल में आई बाढ़ का असर बिहार के 12 जिलों पर हुआ है। जहां बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। फिलहाल सरकार ऐसे लोगों को भरोसा दिला रही है कि उन्हें हर संभव मदद पहुंचाई जाएगी।

ईरान-इजराइल के बीच तनाव......आज गिरावट के साथ खुल सकते हैं बाजार

मुंबई (ईएमएस)। पिछले कुछ दिन से भारतीय शेयर बाजार अपने शीर्ष के आसपास कारोबार कर रहा है। लेकिन पिछले दो दिनों से मार्केट में गिरावट से जोखिम बढ़ गया है। वहीं अब ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते जंग ने ग्लोबल ट्रेड को चिंता में ला दिया है। खासकर क्रूड ऑयल पर इसका ज्यादा असर दिखाई दे रहा है। इसके अलावा, ट्रेड होने वाले अन्य प्रोडक्ट्स भी प्रभावित हो सकते हैं।

ईरान की ओर से इजरायल पर मिसाइलें दांगने की खबर आने के बाद क्रूड ऑयल के दाम तूफानी तेजी से चढ़ गए। क्रूड ऑयल के दाम 5 प्रतिशत बढ़ गए। ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चढ़ चुका है।

तेल की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है, क्योंकि ईरान ओपेक का सदस्य है, और तेल क्षेत्र का एक प्रमुख खिलाड़ी है। अब इसके युद्ध में शामिल होने से क्रूड ऑयल आपूर्ति में व्यवधान की आशंका है। ईरान दुनिया के लगभग एक तिहाई कच्चे तेल की आपूर्ति करता है। अगर क्रूड ऑयल की सप्लाई में रुकावट आती है, तब दुनिया के कई देशों की इंडस्ट्री पर इसका असर दिखाई देगा।

अगर दोनों देशों के बीच जंग बढ़ती है, तब निवेशक रियल संपति जैसे सोना, चांदी, लैंड और अन्य चीजों में निवेश की ओर बढ़ सकते है। इससे मार्केट में मुनाफावसूली होने से गिरावट आ सकती है।

वहीं व्यापार प्रभावित होने से असेट की कमी से बाजार में जोखिम बढ़ सकता है।

जंग बढ़ने की आशंका के बीच इक्विटी मार्केट में भी इसका असर दिखाई दे रहा है। अमेरिकी मार्केट 1.53 फीसदी तक टूट गया है। वहीं डॉउ 0.41 फीसदी टूटा है, एसएंडपी 500 में 1.4 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। एप्पल, एनवीडिया और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रौद्योगिकी दिग्गज कंपनियों में भी गिरावट आई है।

बाजार जानकारों का कहना है कि मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण बाजार में स्पष्ट रूप से उतार-चढ़ाव है। तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, बॉन्ड बढ़ रहे हैं, सोना बढ़ रहा है, शेयर गिर रहे हैं। यह पारंपरिक भू-राजनीतिक प्रतिक्रिया है। वहीं एक अन्य जानकार ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण तेल की कीमतों में वृद्धि से निवेशकों को महंगाई में बढ़ोतरी के बारे में चिंता होगी। महंगाई को कंट्रोल करने के लिए देश के केंद्रीय बैंकों पर दबाव होगा और हो सकता है कि इंटरेस्ट रेट में इजाफा हो, जिसका असर शेयर बाजार पर भी दिखाई दे।

आज कैसा होगा भारतीय शेयर बाजार?

अगर गुरुवार तक ऐसी ही स्थिति बनी रही और ईरान-इजरायल के बीच जंग बढ़ती है, तब भारतीय शेयर बाजार में भीइसकाअसर दिखाई देगा। ग्लोबल मार्केट में जोखिम और निवेशकों की चिंता के कारण गुरुवार भारतीय शेयर बाजार में भी गिरावट आ सकती है। वहीं गोल्ड रेट में इजाफा होगा।

चुनाव से पहले राम रहीम को पैरोल.....बाहर आते ही डेरे का सियासी खेल शुरू

हिसार (ईएमएस)। हरियाणा चुनाव के बीच डेरा सच्चा सौदा मुखी राम रहीम बुधवार सुबह 6 बजे जेल से रिहा हो गया। राम रहीम को 3 शर्तों के साथ 20 दिन की पैरोल मिली है। जिसमें राजनैतिक कार्यक्रम न करना भी शामिल है।

हालांकि राम रहीम के बाहर आते ही डेरे का सियासी खेल शुरू हो गया है। राम रहीम की पैरोल की खुशी में डेरे ने हरियाणा के हर ब्लॉक में नाम चर्चा रखी गई है। जो बुधवार और गुरुवार तक चलेगी। 5 अक्टूबर को प्रदेश में वोटिंग होगी है। माना जा रहा है कि नाम चर्चा के दौरान ही डेरे की तरफ से राम रहीम का संदेश श्रद्धालुओं तक पहुंचाया जाएगा कि उन्हें अंदरखाने किसे सपोर्ट करना है।

यह बात अलग है कि डेरा हमेशा चुनाव में किसी एक पार्टी को सपोर्ट करने से इंकार करता है, लेकिन पैरोल के समय को देखकर विरोधी इस लेकर सवाल उठाते रहते हैं। अगर डेरे के वोटर एकतरफा हुआ तब उन सीटों पर इसका असर पड़ सकता है, जहां 2 उम्मीदवारों और खासकर भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला है।

चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि हरियाणा सरकार से कहा गया है कि अगर राम रहीम आचार संहिता या शर्तों का उल्लंघन करता है, तब पैरोल तुरंत कैंसिल होगी। हरियाणा में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा। इसी वजह से राम रहीम की पैरोल को चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। हरियाणा की 36 सीटों डेरे से जुड़े श्रद्धालुओं का वोट बैंक है। यौन शोषण और मर्डर केस में राम रहीम रोहतक जेल में सजा काट रहा है। पैरोल के दौरान राम रहीम उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित बरनावा आश्रम में रहेगा।

कोपेनहेगन में इजरायली दूतावास के बाहर दो धमाके

कोपेनहेगन (ईएमएस)। डेनमार्क के कोपेनहेगन में इजरायली दूतावास के बाहर दो धमाके हुए हैं, इसके बाद डेनमार्क पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी है। धमाकों की आवाज ने क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

वहीं जॉर्डन ने स्पष्ट किया है कि वह किसी भी पक्ष के लिए युद्ध का मैदान नहीं बनेगा। जॉर्डन के संचार मंत्री मोहम्मद अल मोमानी ने कहा कि जॉर्डन की स्थिति हमेशा से ऐसी रही है कि वह किसी के लिए भी मोहरा या युद्ध के मैदान के रूप में नहीं रहा। जॉर्डन के लोगों की सुरक्षा हमारी सर्वोपरि जिम्मेदारी है। इस दौरान, इजरायली सेना ने पुष्टि की है कि ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। इजरायली डिफेंस फोर्स ने कहा कि वे ईरान के हमले का जवाब देने के लिए तैयार हैं, लेकिन वे समय और स्थान का

चीन-पाक सीमा पर सेना को मिलेगी प्रलय मिसाइल की ताकत

बॉर्डर पार दुश्मन के अड्डे पल भर में होंगे तबाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन और पाक सीमा पर सेना को प्रलय मिसाइल की ताकत मिलेगी। प्रलय मिसाइल कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। दिसंबर 2022 वायुसेना के लिए 120 मिसाइलों का अप्रूवल मिला था। इसके बाद अप्रैल 2023 में दो यूनिट का अप्रूवल मिला। जिसमें करीब 250 मिसाइलें थीं। ताकि इन्हें भारतीय सेना के रॉकेट फोर्स में शामिल किया जा सके। इसके बाद सितंबर 2023 में डीएसी ने इस मिसाइलों के लिए आर्मी रेजिमेंट बनाने की अनुमति दी। अब एक यूनिट जिसमें 120 मिसाइलें होंगी, उनका अप्रूवल मिलना बाकी है। इसके बाद कुल मिलाकर 370 मिसाइलें सेना में शामिल होंगी। प्रलय मिसाइल कम दूरी की सतह से हवा और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है।

प्रलय मिसाइल की रेंज 150 से 500 किमी है। प्रलय की स्पीड 1200 किमी प्रति घंटा है। जिसे बढ़ाकर 2000 किमी प्रति घंटा किया जा सकता है। यानी हवा से टारगेट पर गिरते समय इसकी गति ज्यादा हो जाती है। चीन के पास इस तरह की डोंगफेंग-12 मिसाइल है। जबकि, पाकिस्तान के पास गजनवी, एम-11 (चीन से मिली) और शाहीन मिसाइल है।

सीमा के पास से दागना आसान

कम रेंज का फायदा ये है कि यह सीमा के पास मौजूद दुश्मन के अड्डों को चुटकियों में खत्म कर देगी। साल 2021 के दिसंबर महीने में 24 घंटे के अंदर इस मिसाइल का दो बार परीक्षण किया गया था। चीन और पाक सीमा पर इस मिसाइल की तैनाती से दोनों देश हद में रहेंगे। अगर सीमा के पास से इसे दागे तो चीन या पाक के बंकरों, तोपों, मिलिट्री बेस या उनके हथियार डिपो को खत्म करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

एक्यूरेसी, गति ही इसे बनाती है सबसे घातक

प्रलय मिसाइल की एक्यूरेसी और गति ही इसे सबसे ज्यादा घातक बनाती है। 5 टन वजनी यह मिसाइल अपनी नाक पर 500 से 1000 च्ह्न वजन का पारंपरिक हथियार ले जा सकती है। इस मिसाइल को बनाने में तीन मिसाइलों की तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। ये मिसाइलें हैं- प्रहार, पृथ्वी-2 और पृथ्वी-3।

रात में भी हमला करने की क्षमता से लैस

प्रलय मिसाइल रात में भी हमला करने की क्षमता रखती है। यानी चीन के ठिकानों पर रात में भी हमला संभव है। यानी इसमें इंफ्रारेड या थर्मल स्कैनर लगा होगा जो रात में हमला करने में मदद करता है। प्रलय मिसाइल इनर्शियल गाइडेंस सिस्टम पर चलती है। सॉलिड प्रोपेलेंट फ्यूल है। यानी इस मिसाइल के वॉरहेड में हाई एक्सप्लोसिव, पेनेट्रेशन, क्लस्टर म्यूनिशन, फ्रैगमेंटेशन, थर्मोबेरिक और केमिकल वेपन लगा सकते हैं। प्रलय की टारगेट ध्वस्त करने की सटीकता 10 मीटर यानी 33 फीट है। यानी टारगेट से 33 फीट के दायरे में यह मिसाइल गिरती है, तो भी उतना ही नुकसान करेगी, जितना सटीक निशाने पर गिरती तो करती। यानी जितना इलाका नष्ट करना है, उतना ही बर्बाद होगा।

प्रशांत किशोर ने लांच की पार्टी, सरकार बनी तो मदिरा प्रेमियों को मिलेगी सौगात !

पटना (ईएमएस)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने औपचारिक रूप से अपनी सियासी पार्टी को लॉन्च कर दिया है। प्रशांत किशोर ने अपनी पार्टी का नाम जन सुराज पार्टी रखा है। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने ऐलान किया है कि उनकी सरकार बनी तो शराबबंदी को हटा दिया जाएगा। प्रशांत किशोर पहले ही साफ कर चुके हैं कि बिहार में 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।

पार्टी को लॉन्च करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, जन सुराज अभियान 2-3 सालों से चल रहा है। लोग पूछ रहे हैं कि हम पार्टी कब बनाएंगे। हम सभी को भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए, आज चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर जन सुराज को जन सुराज पार्टी के रूप में स्वीकार कर लिया है।

इस मौके पर प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर प्रदेश में हमारी सरकार बनी तो एक घंटे के अंदर शराब बंदी की नीति को उखाड़कर फेंक देंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि इस पैसे का इस्तेमाल बिहार में शिक्षा के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए किया जाएगा।

ईरान का दावा 20 फाइटर जेट ध्वस्त किए, इजरायल ने कहा सभी मिसाइलों को नष्ट किया, कोई नुकसान नहीं

तेहरान(ईएमएस)। ईरान का दावा है कि उसने मिसाइलों से हमला करके, इजरायल के 20 फाइटर जेट विमान ध्वस्त कर दिए हैं जबकि इजरायल कह रहा है कि ईरान की एक एक मिसाइल को नष्ट कर दिया। इससे इजरायल को कोई नुकसान नहीं हुआ है। ईरानी गार्ड्स के अनुसार, उनके निशाने पर इजरायल के तीन सैन्य ठिकाने थे, जिनमें से नेवातिम एयरबेस को विशेष रूप से निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया है कि इस हमले में नेवातिम एयरबेस पर खड़े कम से कम 20 फाइटर जेट्स को नष्ट कर दिया गया है, जिससे यह एयरबेस अब ऑपरेटिंग स्थिति में नहीं है। हालांकि, इजरायल की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और नुकसान का सही आंकड़ा भी स्पष्ट नहीं है। इससे पहले, अप्रैल में भी ईरान ने इजरायल पर 110 बैलिस्टिक और 30 क्रूज़ मिसाइलें दागी थीं। लेकिन यह पहली बार है जब ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने बताया कि उन्होंने ईरान की अधिकांश मिसाइलों को नाकाम किया, जिसमें उनके दो मुख्य हथियार-आयरन डोम और डेविड्स स्लिंग - का उपयोग किया गया।

बता दें कि ईरान ने मंगलवार की रात इजरायल पर 200 से अधिक मिसाइलें दागी हैं। इस हमले के वीडियो में तेल अवीव सहित अन्य इलाकों में मिसाइलों की बौछार दिखाई दे रही है। ईरानी मीडिया का दावा है कि इन सभी मिसाइलों ने सटीक निशाना बनाया है और टारगेट हिट किए हैं। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने इस हमले में पहली बार हाइपरसोनिक मिसाइलों के इस्तेमाल का दावा किया है, और कहा है कि 90 प्रतिशत मिसाइलें अपने लक्ष्यों पर लगीं।आयरन डोम यह इजरायल का प्रमुख एयर डिफेंस सिस्टम है, जो कम दूरी की मिसाइलें, रॉकेट और ड्रोन को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। आयरन डोम में इंटरसेप्टर होते हैं जो यह पहचान सकते हैं कि कोई मिसाइल या रॉकेट किस इलाके में गिरने वाला है और उसे हवा में ही इंटरसेप्ट कर देते हैं। इसकी सफलता दर 90ञ्है।डेविड्स स्लिंग यह इजरायल का दूसरा महत्वपूर्ण हथियार है, जो लंबी दूरी के रॉकेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को नाकाम करता है। यह 1 मिनट के अंदर 100 किलोमीटर के दायरे में 200 टारगेट को ट्रैक कर सकता है और 300 किलोमीटर तक की रेंज में मिसाइलों को रोकने की क्षमता रखता है। हालहीमें,जब ईरान ने मोसाद के मुख्यालय को निशाना बनाया, तब डेविड्स स्लिंग ने इजरायली खुफिया एजेंसी की रक्षा की। इस घटनाक्रम ने इजरायल और ईरान के बीच के तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति और भी जटिल हो गई है।

जन हितैषी

जन हितैषी

आर्थिक विकास और बढ़ता कर्ज: भारत की अर्थव्यवस्था का संकट ?

हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी 3.4 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गई है, देश पर कर्ज 3.3 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गई है। हमारी अर्थव्यवस्था और कर्ज बराबर पर आ गए हैं। ऐसे में सवाल है, क्या भारत की अर्थव्यवस्था दिवालियापन की ओर बढ़ रही है। 2004 में अटल बिहारी बाजपेयी के कार्यकाल के अंत में भारत की अर्थव्यवस्था 700 बिलियन डॉलर थी। 10 वर्षों के मनमोहन शासनकाल में यह आंकड़ा बढ़कर 2014 में 2.25 ट्रिलियन डॉलर हो गया था। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद 10 साल के शासन काल में जीडीपी 2024 में लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। मोदी के पिछले एक दशक के कार्यकाल में औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण के क्षेत्र में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई,जिससे बेरोजगारी पिछले 10 वर्षों में तेजी के साथ बढ़ी है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं का अपेक्षित लाभ नहीं हुआ। मनमोहन सिंह के 10 साल के कार्यकाल में 1.55 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बढ़ी थी। 2008 में अमेरिकी आर्थिक मंदी का असर भी भारतीय अर्थ व्यवस्था में पड़ा था। मोदी के 10 साल के कार्यकाल में 1.15 ट्रिलियन डालर की अर्थ-व्यवस्था बढ़ी। 2014 में कर्ज 56 लाख करोड़ का भारत पर था। जो अब बढ़कर 1.65 करोड़ से ज्यादा हो चुका है। विनिर्माण क्षेत्र की विकास दर घटकर 5.5 फीसदी पर आ गई है। इस क्षेत्र में भी रोजगार में कमी आई है। भारत के कपड़ा रेडीमेड और हस्तकला उद्योग में चीन का कब्जा 80% तक हो गया है। जिससे भारतीय बाजार और उद्योग प्रभावित हुए हैं। पिछले एक दशक में प्रत्येक क्षेत्र में 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश की छूट दिए जाने के बाद से भारत का लघु एवं मध्यम क्षेत्र का रोजगार और उद्योग धंधे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। जिसके कारण देश में बड़ी तेजी के साथ बेरोजगारी बढ़ी है।2014 में मोदी सरकार ने आते ही सभी सेक्टर में 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश को जो छूट दी। उसके बाद से देश का आर्थिक ढांचा बुरी तरह गड़बड़ा गया है। भारत की अर्थव्यवस्था विदेशी निवेश और कर्ज पर आधारित हो गई है। अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति मे भारी कर्ज का बोझ कोढ में खाज की तरह हो गया है। पिछले 10 वर्षों में जनता के ऊपर टैक्स और शुल्क बेतहाशा बढ़ाए गए हैं। जिसके कारण महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ी, लोगों की आय कम हुई। स्थानीय रोजगार खत्म होने के कारण बेरोजगारी बढ़ी। सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस ध्यान नहीं दिया। केंद्र सरकार राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं ने इन 10 वर्षों में विकास कार्यों और लोक लोभावन योजनाओं के लिए कर्ज लेकर सरकारी खर्चों को बढ़ा लिया। पिछले 10 सालों में लगातार टैक्स और शुल्क के रूप में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को 2014 की तुलना में 10 गुना ज्यादा कमाई की है। केंद्र और राज्य सरकारों ने भारी कर्ज लिया। कर्ज लेने के लिए बजट का आकार बढ़ाया। जिससे ज्यादा से ज्यादा कर्ज मिल सके। 2014 से लेकर 2024 के बीच में सरकार ने कर्ज और विदेशी निवेश को ही प्राथमिकता दी है। सरकार का ध्यान कभी भी महंगाई, बेरोजगारी, नागरिकों के ऊपर बढ़ते कर्ज, स्थानीय स्तर पर बेरोजगारी जैसे विषयों पर नहीं रहा। 1970 से लेकर 2000 के 30 वर्षों में भारत में सबसे ज्यादा रोजगार स्थानीय रोजगार लघु उद्योग के रूप में विकसित हुए थे। जिसके कारण भारत की अर्थव्यवस्था एक नए स्वरूप में पहुंच गई थी। 2008 की अमेरिकी मंदी का कोई प्रभाव भारत में इसलिए नहीं पड़ा। हमारी अर्थव्यवस्था लघु एवं मध्यम उद्योगों के हाथ में थी। कृषि की अर्थव्यवस्था मजबूत थी। 2014 के बाद से हम विदेशी निवेश पर आश्रित होते चले गए। हमारा आयात कई गुना बढ़ गया। उसकी तुलना में हम अपना निर्यात नहीं बढ़ा पाए। कर्ज लेकर खर्च की पूर्ति करते रहे। जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था दिवालियापन की ओर बढ़ चली है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं है। वह लगातार कर्ज उठा रहे हैं। बजट का 25 से लेकर 40 फ़ीसदी तक ब्याज और किस्त के रूप में राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को सरकारी खजाने से चुकाना पड़ रहा है। भारत में आम जनता से दुनिया भर में सबसे ज्यादा टैक्स वसूल किया जा रहा है। अब इस टैक्स को बढ़ाया भी नहीं जा सकता है। लोगों की बचत खत्म हो गई है! पिछले कई वर्षों से बचत से खर्च मध्यम एवं निम्न वर्ग चला रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार और आर्थिक आंकड़ों में हेरफेर करके वर्तमान सरकार वास्तविक स्थिति की अनदेखी कर रही है। इससे समस्या और भी बढ़ रही है। विश्व बैंक भारत को बढ़ते कर्ज को लेकर लगातार चेतावनी दे रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भारत में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ गई है। जिसके कारण देश की आर्थिक स्थिति दिनों दिन विकराल होती जा रही है। रिजर्व बैंक, निति आयोग, बाजार नियामक संस्था सेबी, भारतीय शेयर बाजार सरकार के साथ कदमताल करते हुए चल रहे है। जिसके कारण आर्थिक स्थिति पर अब रिजर्व बैंक जैसी संस्था का भी कोई नियंत्रण नहीं है। सेबी का भी शेयर बाजार पर कोई नियंत्रण नहीं है। जो अर्थव्यवस्था के आंकड़े अभी देखने को मिल रहे हैं। वह कितने वास्तविक हैं। इसको लेकर सारी दुनिया के देशों में तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। भारत के लिए यह चिंता विषय है।

बीजेपी भीड़ बढ़ा रही है या सदस्य

- सदस्यता पर सियासत

सदस्यता अभियान महज एक रस्म नहीं है। परिवार का विस्तार है। यह नंबर गेम भी नहीं है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितनी संख्या हासिल करते हैं। यह सदस्यता अभियान एक वैचारिक और भावनात्मक आंदोलन है। ये बात कही थी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान- 2024 की शुरूआत करते हुए। इस कार्यक्रम को संगठन पर्व सदस्यता अभियान-2024 का नाम दिया गया है। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पार्टी का पहला सदस्य बनाकर,अपने अभियान की शुरुआत की। पीएम नरेंद्र मोदी ने पार्टी के टोल फ्री नंबर पर मिस्ड कॉल के जरिए फिर से भाजपा की सदस्य ली। इसके बाद, पार्टी के अन्य कई नेताओं को भी फिर से भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई गई। नई दिल्ली में इस कार्यक्रम के साथ भाजपा का सदस्यता अभियान पूरे देश में शुरू हो गया। मिस्ड कॉल अभियान के जरिए पार्टी का सदस्य बनाने के लिए भाजपा ने मिस्ड कॉल नंबर- 8800002024 भी जारी किया है। लोग नमो ऐप के माध्यम से भी भाजपा की सदस्यता ले सकते हैं। एक तरफ तो मोदीजी इस सदस्यता अभियान को नंबर गेम नहीं मानते और दूसरी तरफ 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा है। एक तरफ तो मोदीजी सदस्यों को जोड़कर संगठन को मजबूत और देश को सशक्त बनाने की बात कर रहे हैं तो दूसरी ओर सरकारी राशन दुकान पर केवायसी के नाम पर सदस्य बनाने के आरोप सामने आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद चल रहे इस सदस्यता अभियान को कामयाब बनाने के लिए मंत्री से लेकर कार्यकर्ता तक जुटे हुए हैं। ये भी माना जा सकता है कि सदस्यों के रूप में नंबर बढ़ाने के साथ ही बीजेपी का हर नेता अपने भी नंबर बढ़ाना चाहता है। पार्टी का फोकस युवाओं को जोड़ने पर सबसे ज्यादा है। पीएम मोदी ने सदस्यता अभियान की शुरूआत करते हुए अपना विजन साफ कर दिया था। उन्होंने कहा कि मेरे सामने जो अभी 18 से 25 साल की उम्र का जवान है, वह मेरे 2047 के सपने को पूरा करने के लिए शक्ति का सबसे बड़ा स्त्रोत है। इसलिए युवाओं को विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए जोड़ना है, नेशन फर्स्ट के विचार से जोड़ना है। यानि मोदीजी ने सन 2047 तक का लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। मोदी का लक्ष्य किस तरह पूरा हो रहा है इसकी खबरें छन-छन कर सामने आ रहीं हैं। जहां सदस्यों का टारगेट पूरा हो गया वहां उत्साह दिख रहा है तो जहां लक्ष्य पीछे छूट गया वहां निराशा झलक रही है।

पार्टी के नेता भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताते हुए नहीं थकते। उनका ये भी कहना है कि भाजपा ही ऐसी अकेली पार्टी है जो लोकतांत्रिक ढंग से हर 6 साल में सदस्यता रिन्यू करती है। भाजपा के संविधान के मुताबिक हर 5-6 साल बाद नए सिरे से सबको फिर से पार्टी का सदस्य बनाया जाता है। वर्ष 2014 तक चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी हुआ करती थी लेकिन 2014 में जब भाजपा के 11 करोड़ सदस्य बने, उसके बाद भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई। इस बार भी पार्टी का लक्ष्य 10 करोड़ से अधिक लोगों को भाजपा का सदस्य बनाना है। जिन राज्यों को चुनाव की घोषणा हो गई है, उन राज्यों में यह सदस्यता अभियान बाद में चलाया जाएगा। अमित शाह के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यकाल में वर्ष 2014-15 में 11 करोड़ लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। वर्ष 2019 में चले सदस्यता अभियान में 7 करोड़ लोग शामिल हुए थे यानी 2019 तक लगभग 18 करोड़ लोग भाजपा के सदस्य बने थे।

भाजपा के सदस्यता अभियान के बीच सियासत भी शुरू हो गई है। भाजपा ने मध्यप्रदेश के करीब 64 हजार बूथों में से हर बूथ में सौ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का आरोप है कि राशन दुकानों पर लोगों को धोखे में रखकर सदस्य बनाया गया। 1 रुपये में मोबाइल कवर का लालच देकर सदस्य बनाया जा रहा है। मध्य प्रदेश में सबसे पहले प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा ने सीएम डॉ. मोहन यादव को सदस्य बनाया था, इसके बाद प्रदेश भर में सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई थी। सदस्यता अभियान के लिए सांसद-विधायक, जिलाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों को अलग-अलग टारगेट दिया गया था। बीजेपी के सदस्यता अभियान पर कांग्रेस के नेताओं ने सवाल खड़े कर दिए हैं। मध्यप्रदेश में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक वीडियो जारी किया जिसमें शासकीय राशन दुकान पर केवायसी के नाम पर बीजेपी की सदस्यता दिलाई जा रही है। यह वीडियो भोपाल का बताया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कई सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने अपने सोशल साइड एक्स पर लिखा कि भाजपा का सदस्यता अभियान या जबरन सदस्य बनाने का जाल। भोपाल के छोला रोड स्थित राशन की शासकीय दुकान पर झूठी केवायसी के नाम पर भाजपा सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। राशन लेने आने वालों की जानकारी के बिना उन्हें भाजपा का सदस्य बनाकर पार्टी की फर्जी संख्या बढ़ाई जा रही है। कई जगह स्कूल और कॉलेज के छात्रों से झूठ बोलकर उन्हें पार्टी का सदस्य बनाए जाने की भी शिकायत सामने आई है। इससे भाजपा की फर्जी सदस्यता तो बढ़ेगी, लेकिन लोगों का परसनल डाटा लीक होने का भी बड़ा खतरा है। इसलिए बीजेपी के लोगों से सावधान रहना और दूरी बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा केवल सदस्यता अभियान में किसी भी तरीके से सदस्य बढ़ाने में जुटे हुए हैं। कभी राशन की दुकान पर तो कभी कॉलेज में तो कभी नौकरी दिलाने का आश्वासन के चलते झूठे रजिस्ट्रेशन कराये जा रहे हैं। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के आरोपों पर प्रदेश बीजेपी के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने जवाब देते हुए कहा कि बीजेपी संगठन की शक्ति और प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के नेतृत्व में विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जोरदार हार का सामना किया है। लिहाजा कांग्रेस अभी तक अपनी हार नहीं पचा पा रही है। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी बीजेपी पर हमला करने पीछे नहीं रहे हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मध्य प्रदेश में बीजेपी नेता अपने आकाओं को खुश करने के लिए अब सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को भी बीजेपी का सदस्य बना रहे हैं। हाल ही में भोपाल नगर निगम के शासकीय कर्मचारियों को बीजेपी का सदस्य बनाया गया है। मैं सभी शासकीय सेवकों से कहना चाहता हूं कि आपकी प्रतिबद्धता किसी पार्टी के प्रति नहीं, बल्कि जनता और जनसेवा के प्रति होनी चाहिए। उन्होंने ये भी लिखा कि राजनीतिक दबाव और प्रभाव में आने वाले सरकारी सेवक याद रखें, यदि सरकारी पद पर होने के बावजूद आपका बीजेपी से किसी भी प्रकार का जुड़ाव दिखा, तो चार साल बाद इसका पूरा हिसाब लिया जाएगा। इसलिए, अपनी निष्ठा केवल सेवा नियमों के प्रति रखें। बात राशन दुकान तक ही सीमित नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं को उस वक्त अजीब स्थिति का सामना करना पड़ा जब पार्टी के अनुशांगिक संगठन एबीवीपी ने इस अभियान की मुखालफत की।

इंदौर के एक सरकारी कॉलेज में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने इस अभियान का विरोध करते हुए कहा कि शिक्षा के मंदिरों को राजनीति का अखाड़ा ना बनाया जाए। एबीवीपी के छात्रों ने शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में प्राचार्य के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन हल नहीं निकला। आखिर में प्रिंसिपल सुरेश टी सिलावट को लिखित आदेश जारी करना पड़ा कि कॉलेज परिसर में एबीवीपी की सहमति के बिना कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होगा। एबीवीपी नेताओं का कहना था कि आज बीजेपी आई है और कल कोई और पार्टी आएगी। हमने कहा कि यह शिक्षा का मंदिर होना चाहिए, राजनीति का अड्डा नहीं। एबीवीपी नेताओं का कहना था कि एबीवीपी और भाजपा के बीच वैचारिक समानताएं हो सकती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम उन्हें परिसरों में प्रवेश करने देंगे। जब हमें सदस्यता अभियान के बारे में पता चला तो हमने चार अन्य कॉलेजों में विरोध प्रदर्शन किया। हमने अन्य जिलों के सदस्यों के साथ समन्वय किया है और उनसे भाजपा को परिसरों में प्रवेश न करने देने के लिए कहा। मामले को तूल पकड़ा देख राजधानी भोपाल के पार्टी नेता सक्रिय हो गए। भोपाल और इंदौर के सीनियर बीजेपी लीडरों ने एबीवीपी नेताओं से बात की और बाद में कहा गया कि 'गलतफहमी' दूर हो गई है। नेताओं का कहना था कि एबीवीपी और भाजपा एक ही हैं, एबीवीपी हमारा छात्र संगठन है। हमने मामले को सुलझा लिया है।

मध्यप्रदेश के ही राघोगढ़ से कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने आरोप लगाए हैं कि राघोगढ़ के पॉलिटेक्निक कॉलेज में एड्स कंट्रोल सोसायटी के कार्यक्रम के बहाने छात्रों से भाजपा के मेंबरशिप वाले नंबर पर मिस्ड कॉल कराकर उन्हें धोखे से सदस्य बनाया गया है। कांग्रेस का आरोप है कि गुना में एक रुपये में मोबाइल का बैक कवर देकर बीजेपी की सदस्यता दिलाई गई। आरोप है कि एक कार्यकर्ता ने मोबाईल दुकानदारों से संपर्क किया। इन दुकानों पर एक रुपये में मोबाइल का स्क्रीन गार्ड और बैक कवर लगाया जा रहा है। दुकान पर पहुंचने वाले ग्राहकों से मिस कॉल कर बीजेपी की सदस्यता दिलाई गई। इसी तरह पांढुर्णा में महिला बाल विकास की सुपरवाइजर का एक ऑडियो वायरल हुआ। इसमें कहा गया है कि सभी लाड़ली बहनों को बोले कि उनका मोबाइल भी साथ लेकर आए। इस कार्यक्रम में लाडली बहनों से मिस्ड कॉल कर सदस्य बनाए जाने का आरोप लगे हैं। इसे लेकर पांढुर्णा में आंगनबाड़ी सुपरवाइजर के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदर्शन किया था। इधर बीजेपी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का कांग्रेस के आरोपों पर कहना है कि हमने मिस्ड कॉल नंबर जारी किया है, यदि कोई सदस्य बन रहा है तो दिक्कत क्या है। स्वेच्छा से जिन्हें सदस्य बनना है, वे सदस्य बन रहे हैं।

इधर, राजस्थान में अंर्तकलह की वजह से भाजपा का सदस्यता अभियान अपने चरम पर नहीं पहुंच पाया। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान ने राजस्थान में सत्ता और संगठन दोनों की कलई खोल दी। भाजपा शासित राज्य होने के बाद भी सदस्यता अभियान में राजस्थान की हालत ने पार्टी नेताओं की चिंता बढ़ा दी है। लोकसभा चुनाव में लगे झटके से पार्टी उबर भी नहीं पाई थी कि सदस्यता अभियान ने पार्टी नेताओं के माथे पर पसीना ला दिया है। जल्द ही राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है और इन सीटों वाले जिलों में भी सदस्य संख्या ज्यादा नहीं बढ़ पाई है। हाल ही में जयपुर में सदस्यता अभियान की समीक्षा करते हुए राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने खुद रोष जाहिर किया था। बीएल संतोष ने पार्टी नेताओं और जनप्रतिनिधियों को साफ कहा कि राजस्थान में सवा करोड़ का लक्ष्य है और इसे पूरा करना होगा। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने प्रदेश कार्यालय में भाजपा प्रदेश पदाधिकारी के साथ अभियान संयोजक, सहसंयोजक, विधायक, सांसद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सदस्यता अभियान जिला संयोजक, सहसंयोजक आदि पदाधिकारियों और नेताओं की बैठक ली। जब इन पदाधिकारियों ने सदस्यता अभियान के डेटा बताए तो संतोष ने कहा कि फिर सदस्य संख्या क्यों नहीं बढ़ रही है।

बहरहाल, बीजेपी के सदस्यता अभियान को देखकर यही लगता है कि दुनिया में सबसे बड़े राजनीतिक दल का ठप्पा वो बरकरार रखना चाहती है। कोई भी राजनीतिक दल अपने सदस्य या समर्थक बढ़ाए इससे किसी को कोई हर्ज नहीं होना चाहिए लेकिन पार्टी में भीड़ बढ़ने से शायद ही कोई फायदा हो। भाजपा नेताओं का दावा है कि वो लोकतांत्रिक तरीके से हर छ साल में अपने सदस्यता का रिनिवल करती है लेकिन सदस्यता अभियान को लेकर जो सवाल उठ रहे हैं वो कुछ और ही इशारा कर रहे हैं। (लेखक- मुस्ताअली बोहरा/ ईएमएस)

विज्ञान लेखन आज की आवश्यकता

विज्ञान लेखन एक विशेष प्रकार का लेखन है जिसे छात्रों की विज्ञान की समझ को बढ़ाने के लिए जांच-आधारित ज्ञान में एकीकृत ज्ञान के बारे में लिखा जाता है।इसकी क्रोई उम्र नहीं है रिटायर होने पर भी लिख कर समय व्यतीत कर सकते हैं 60 की उम्र में कार्यस्थल आपको ख़त्म कर देता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपने करियर के दौरान कितने सफल या शक्तिशाली थे, आप एक सामान्य व्यक्ति बनकर लौटेंगे। इसलिए, अपनी पिछली नौकरी की मानसिकता और श्रेष्ठता की भावना से चिपके न रहें, अपने अहंकार को त्यागें, अन्यथा आप सहजता की भावना खो सकते हैं!

70 की उम्र में समाज धीरे-धीरे आपको ख़त्म कर देता है। जिन मित्रों और सहकर्मियों से आप मिलते और मेलजोल रखते थे, वे कम हो गए हैं और आपके पूर्व कार्यस्थल पर शायद ही कोई आपको पहचानता हो। यह मत कहो, "मैं हुआ करता था... या मैं कभी था... क्योंकि युवा पीढ़ी आपको नहीं जानती होगी, और आपको इसके बारे में असहज महसूस नहीं करना चाहिए!

80 की उम्र में परिवार धीरे-धीरे आपको ख़त्म कर देता है। भले ही आपके कई बच्चे और पोते-पोतियाँ हों, अधिकांश समय आप अपने जीवनसाथी के साथ या अकेले ही रहेंगे। जब आपके बच्चे कभी-कभार आते हैं, तो यह स्नेह की अभिव्यक्ति है, इसलिए उन्हें कम आने के लिए दोष न दें, क्योंकि वे अपने जीवन में व्यस्त हैं!

90 की उम्र में, पृथ्वी तुम्हें ख़त्म करना चाहती है। जिन लोगों को आप जानते थे उनमें से कुछ पहले ही हमेशा के लिए चले गए है। इस बिंदु पर, दुखी या शोकाकुल न हों, क्योंकि यही जीवन का मार्ग है, और हर कोई अंततः इसी मार्ग का अनुसरण करेगा!

इसलिए, जबकि हमारा शरीर अभी भी सक्षम है, जीवन को भरपूर जियो! जो चाहो खाओ, जो चाहो पीओ, खेलो और वो काम करो जो तुम्हें पसंद है।

याद रखें, एकमात्र चीज़ जो आपको ख़त्म नहीं करेगी वह है विज्ञान लेखन। सामान्य अर्थ संचार-माध्यमों के द्वारा गैर-वैज्ञानिक समाज को विज्ञान के विविध पहलुओं एवं विषयों के बारे में सूचना देना है। कभी-कभी यह काम व्यावसायिक वैज्ञानिकों द्वारा भी किया जाता है (तब इसे विज्ञान का लोकीकरण कहा जाता है।)। विज्ञान संचार अपने-आप में एक पेशेवर क्षेत्र बन चुका है।लेकिन कुछ लोग इसे एक पेशा व राजनीति करते हैं और जब कोई गुणवत्ता पूर्ण लेख अपनी पत्रिका में छापता है तो क्रोई अपने को बहुत बड़ा विज्ञान लेखक मानते हुए लेख को निकाले लाने पर क्रोधी हो जाता है लेकिन अपने लेख के बारे में नहीं देखता है विज्ञान लेखन स्वतंत्र है और विज्ञान की जानकारी प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है ऐसे में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद मुंबई के द्वारा वैज्ञानिक पत्रिका बिना किसी भेदभाव के अच्छे विज्ञान के लेख प्रकाशित करती है जिसके संपादक जाने माने विज्ञान संचारक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं जो पत्रिका को गुणवत्ता पूर्ण बना रहें हैं बधाई के पात्र हैं। (लेखक- संजय गोस्वामी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8147

बाएँ से दाएँ

1.उच्च कुल का-3
6.जलज,पंकज,नीरज-3
7.चरित्र,धर्म-5
8.वचन,प्रतिज्ञा-3
10.आनेवाला दिन-2
12.पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15.अनबन,कहासुनी-4
17.रुपया,पैसा-2
19.भ्रम,संदेह-3
21.कहानी लिखनेवाला-5
23.अंजन-3
24.वजह-3

ऊपर से नीचे

2.अधिवर्ष,29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3.कंठ,गला-3
4.लाज,लज्जा-3
5.विवाह,ब्याह-2
6.सोना,धतूरा-3
9.टेका,आसरा-3
11.बुरी आदत-2
13.रेखा,लाइन-3
14.हत्या,मर्डर-2
16.नवचंद्राकार -5
18.अनुकृति-3
19.भला कार्य-3
20.घर,गृह,निवास-3
22.युद्ध,संग्राम -2

शब्द पहेली -8146 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

हजारों करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी एनआरसी डब्बे में बंद

- लाखों लोग हुए परेशान, करोड़ों रुपए का घोटाला
- बांग्लादेशियों को मोहरा बनाकर हो रही है राजनीति
- खुलेआम हिंदू मुस्लिम की राजनीति

भारत के असम राज्य के दो जिलों के नागरिकों का राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर बनाने का फैसला हुआ था। दो जिलों में जो 19 लाख लोग बाहर से आए थे। उनकी नागरिकता के लिए यह प्रक्रिया शुरू की गई थी। केन्द्र सरकार बदलते ही एनआरसी का पूरा स्वरूप ही बदल गया। यह एक राजनीतिक मुद्दा बन गया। केंद्र और राज्य सरकारों के हजारों करोड़ों रुपए इस प्रक्रिया में खर्च हुए। दो जिलों के स्थान पर सारे असम राज्य के लाखों परिवारों को इसकी वेदना सहनी पड़ी। दस्तावेज जुटाने के लिए दस्तावेजों की फोटो कॉपी कराने और अपने आप को नागरिक बताने के लिए लाखों लोग 2 साल से अधिक परेशान हुए। करीब 25 लाख दस्तावेजों का वेरिफिकेशन किया गया। सरकारी अमले ने घर-घर जाकर 25 लाख घरों में जाकर दस्तावेजों को जांचा गया। 13.18 लाख लोगों को एनआरसी के रजिस्टर में शामिल किया गया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जब फिर इसकी जांच की गई, तो 2346 डेटा की जांच की गई। उसमें 943 डेटा गलत मिले। मई 2021 में सुप्रीम कोर्ट को इसकी जानकारी दी गई। उसके बाद से ही मामला ठंडा पड़ा हुआ है।

असम के 68 लाख परिवारों ने नागरिकता के लिए फॉर्म भरे। 10 लाख लोगों के परिवार की फैमिली ट्री का सत्यापन किया गया। आस पड़ोस के लोग यदि एक दूसरे को नहीं पहचानते थे, तो उनके नाम खारिज कर दिए गए। उन्हें संदिग्ध माना गया। 68 लाख लोगों में से 27 लाख लोगों को रिजेक्ट कर दिया गया था। जिसमें एक सांसद का परिवार भी था।

केंद्र और असम की राज्य सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर खूब हंगामा किया। संसद में नया कानून बनाने के पहिले और बाद में लगातार राजनीति होती रही। सरकारी खजाने से हजारों करोड़ों रुपए खर्च हो गए। 68 लाख परिवारों के हजारों रुपए हर परिवार के खर्च हुए। लाखों लोगों को परेशानी में डालने के बाद भी कुछ भी हासिल नहीं हुआ। जहां से यह मामला शुरू हुआ था, वहीं पर आज भी वहीं अटका हुआ है।

कैग रिपोर्ट में 260 करोड़ का घोटाला

2020 में कैग ने इस सारे मामले का ऑडिट किया। डाटा एंट्री ऑपरेटर की तनख्वाह 14500 प्रति ऑपरेटर तय थी। सरकारी रिकॉर्ड में 9000 ऑपरेटर नियुक्त किए गए थे। उन्हें 5500 प्रति ऑपरेटर भुगतान किया गया। केग की रिपोर्ट के अनुसार इसमें 260 करोड रुपए का घोटाला हुआ। इसके अलावा अन्य सर्वेक्षण और कार्यों में सैकड़ों करोड रुपए खर्च में घोटाले किए गए। शासकीय स्तर पर लाखों दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन कराया गया। हजारों कर्मचारियों को कई महीने तक घर-घर जाकर जांच के कार्य में लगाया गया था। इसमें बड़े पैमाने पर सरकारी धन खर्च किया गया।

रिजेक्शन स्लिप नहीं दे पाए

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर नवंबर 2019 में स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रतीक हजेला को मध्य प्रदेश सरकार के पास डेपुटेशन पर भेज दिया गया। 24 दिसंबर 2019 को हितेश देव सरमा को स्टेट कोआर्डिनेटर बनाया गया। जब उन्होंने जांच की तो उसमें भी भारी गड़बड़ियां पाई गईं। जिसके कारण आज तक रिजेक्शन स्लिप के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। जुलाई 2022 में वह भी सेवा निवृत हो गए। उसके बाद इसकी जिम्मेदारी गृह सचिव मजूमदार के पास आई। उन्होंने इस मामले में कोई रुचि नहीं ली। असम सरकार ने भी यह मामला ठंडा बस्ते में डाल दिया है. सरकार जानकारी देने से भी बच रही है।

धड़ाधड़ बन रहे हैं आधार कार्ड

एनआरसी रजिस्टर का मामला ठंडा पड़ने के बाद पिछले कुछ समय से लाखों लोगों के नाम असम की मतदाता सूची में जोड़े जा रहे हैं। नए आधार कार्ड भी बनाए जा रहे है। सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। हजारों करोड रुपए खर्च हो जाने और लाखों परिवार कई वर्षों तक प्रताड़ित करने के बाद असम में पुरानी स्थिति बनी हुई है। इसके लिए किसे जिम्मेदार माना जाए। यहां की जनता को यह समझ में नहीं आ रहा है। अभी भी प्रताणना और राजनीति से एक वर्ग नारकीय जीवन जी रहा है।

असम में बांग्ला प्रवासियों का इतिहास

स्वतंत्रता के पहले 1905 में बड़ी संख्या में अंग्रेजों ने बांग्ला भाषा के लोगों को यहां पर बुलाकर बसाया था। 1951 की जनगणना में इनको शामिल किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर इनका एक अलग रजिस्टर तैयार किया गया था। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच में लड़ाई हुई। तब असम में कुछ बांग्लादेशी शरणार्थी के रूप में आए थे तत्कालीन इंदिरा सरकार ने इन्हें शरण देने का आदेश दिया था। 1985 में हुए असम समझौते में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय 1971 में जो बांग्लादेशी असम में आकर बसे थे। उन्हें भारत का नागरिक मान लिया गया था। 2010 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में दो जिलों के लिए एनआरसी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था। 2013 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से यह प्रोजेक्ट पुनः शुरू किया गया। प्रतीक हजेला को प्रोजेक्ट का कोआर्डिनेटर बनाया गया था। 2018 में इसका पहला ड्राफ्ट तैयार हुआ था। इस प्रस्ताव में 40 लाख लोगों को एनआरसी से बाहर कर दिया गया था। जांच के बाद उसके बाद एक सप्लीमेंट्री सूची जारी की गई। जिसमें 19 लाख लोगों को संदिग्ध माना गया उसके बाद से यह मामला ठंडा पड़ा हुआ है। असम में इसको लेकर लगातार राजनीति हो रही है। असम में बांग्ला भाषी नागरिकों के ऊपर हमेशा तलवार लटकती रहती है। भारतीय नागरिक होते हुए भी अधिकांश एक धर्म विशेष के होने के कारण उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जा रहा है। जिसके कारण असम में राजनीतिक और सामाजिक टकराव बना हुआ है।

1.85 लाख घुसपैठिये घोषित 73 डिटेंशन सेंटर में पिछले 11 वर्षों से यह खेल चल रहा है। असम फॉरेन ट्रिब्यूनल ने 1.85 लाख लोगों को घुसपेठिया घोषित किया गया है। जो डिटेंशन सेंटर बनाये गये थे। अब अधिकांश खाली हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मात्र 73 लोगों को डिटेंशन सेन्टर में रखा गया है। पिछले 9 वर्षों से एनआरसी के नाम पर असम में जो खेल खेला गया है। उसने मानवता को एक तरह से शर्मसार किया है। देश एवं प्रदेश के सरकारी खजाने से हजारों करोड़ रूपया खर्च हो गया। 2 लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो गए। लाखों लोगों के ऊपर अभी भी तलवार लटक रही है। विदेशी घुसपेठियों का मामला अभी भी वैसा है जैसा 11 वर्ष पहिले था। राजनीति का एक स्वरूप यह भी है। (लेखक- सनत जैन)

खेल - समाचार

ईरानी कप में सरफराज ने लगाया शतक

लखनऊ (ईएमएस)। बल्लेबाज सरफराज खान ने मुंबई की ओर से खेलते हुए ईरानी कप शतक लगाया है। सरफराज ने इसी के साथ ही शेष भारत के खिलाफ अपना 15वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया। यहां के एकाना स्टेडियम में खेले जा रहे मैच के दूसरे दिन लंच से पहले ही सरफराज ने तेजी से खेलते हुए 14 चौके लगाकर अपना शतक पूरा किया। सरफराज मुंबई के 4 विकेट 139 रनों पर गिरने के बाद मैदान पर उतरे थे। इसके बाद उन्होंने अजिंक्य रहाणे के साथ मिलकर पारी को संभाला।

रहाणे और सरफराज ने पहले दिन अंत तक 98 रन बनाये जिससे मुंबई की टीम 4 विकेट पर 237 रनों तक पहुंची। दूसरे दिन दोनों ने 43 रन और जोड़े पर रहाणे 97 रन बनाकर यश दयाल की गेंद पर आउट हो गए और शतक नहीं लगा पाये। इसके बाद सरफराज के साथ शम्स मुलानी क्रीज पर आए पर वह भी जल्द ही आउट हो गये। सरफराज ने तब तनुश कोटियन के साथ मिलकर 58 रन बनाए और मुंबई को लंच तक 6 विकेट पर 338 रन तक पहुंचाया। सरफराज को बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में शामिल किया गया था पर दूसरे टेस्ट के अंतिम दिन उन्हें ईरानी कप के लिए रिलीज कर दिया गया था।

आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंचे बुमराह

यशस्वी बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान जबकि विराट छठे स्थान पर पहुंचे

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। बुमराह को बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। आईसीसी के अनुसार दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद बुमराह पहले नंबर पर चल रहे आर अश्विन से एक अंक आगे निकलकर नंबर एक स्थान पर पहुंच गये। वहीं इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

अश्विन ने दूसरे टेस्ट में 5 विकेट लिए और वह बुमराह की 870 अंकों की रेटिंग से केवल एक अंक पीछे हैं जबकि बांग्लादेश को मेहदी हसन अपनी अच्छी गेंदबाजी से चार स्थान ऊपर आकर 18वें स्थान पर और अनुभवी स्पिनर शाकिब अल हसन पांच स्थान के लाभ के साथ ही 28वें स्थान पर पहुंच गये हैं। वहीं श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 18 विकेट लेकर एक पायदान ऊपर आकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के जो रूट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन पहले और दूसरे नंबर पर हैं, वहीं भारत के ही विराट कोहली की भी शीर्ष दस में वापसी हुई है। विराट छह स्थान की छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गये हैं।

बांग्लादेश पर जीत की बदौलत भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में शीर्ष पर और आगे बढ़ गया है और लगातार तीसरे फाइनल में जगह बनाने की स्थिति में है। सलामी बल्लेबाज जायसवाल को बांग्लादेश के खिलाफ बारिश से प्रभावित टेस्ट के दौरान प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपडेट की गई टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंचकर अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की। उन्होंने इस मुकाबले में 72 और 51 रन बनाए। इसका मतलब यह है कि टेस्ट बल्लेबाजों की अपडेट की गई रैंकिंग में

श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज कामिंडू मेंडिस पांच स्थान के सुधार के साथ 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं श्रीलंका के ही दिनेश चांदीमल छह स्थान के लाभ के साथ 20वें स्थान पर और एंजेलो मैथ्यूज चार स्थान के सुधार के साथ 23वें स्थान पर हैं। वहीं सीमित ओवरों में

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद एक स्थान के फायदे से वनडे बल्लेबाजों की सूची में 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के जोड़ीदार हैरी ब्रूक 73 स्थान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर और बेन डकेट 30 स्थान ऊपर चढ़कर 54वें स्थान परपहुंच गए हैं।

शंघाई मास्टर्स से बाहर हुए नागल

शंघाई (ईएमएस)। भारत के सुमित नागल शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पहले ही दौर में हार के साथ बाहर हो गये हैं। सुमित को यहां पहले ही दौर में चीन के वू यिबिंग ने सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया। नागल का प्रदर्शन इस मैच में निराशानक रहा। वहीं इससे पहले अगस्त में अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल के पहले दौर में वह नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर के हाथों हार गये थे। अमेरिकी ओपन के बाद अब वह पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रहे थे। नागल ने हाल में पीठ की चोट के कारण स्वीडन के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में नहीं खेला था। जिसपर विवाद हुआ था और अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने आरोप लगाया था कि नागल ने ये मुकाबला जानबूझकर नहीं खेला।

टी20 महिला विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम : मंधाना

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम गुरुवार से शुरु हो रहे टी20 महिला विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। मंधाना ने माना कि यहां की तेज गरमी से खिलाड़ियों को परेशानी होगी पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के दौरान इस प्रकार के बहाने नहीं बनाये जा सके। आपको हर प्रकार के हालातों में खेलने के लिए तैयार रहना होता है। भारतीय टीम अपना पहला मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 अक्टूबर को खेलेगी। इसके बाद, टीम 6 अक्टूबर को उसे पाकिस्तान से खेलना है।

स्मृति ने कहा, दोपहर का मैच गर्मी के कारण चुनौतीपूर्ण होने वाला है पर जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो कोई बहाना नहीं होता है। आपको अच्छी तरह से तैयारी करनी होती है, और मुझे लगता है कि हमारे पास हालातों के अनुकूल तैयारी करने के लिए थोड़ा समय है। मुझे भरोसा है कि जब तक हम पाक का मुकाबला करेंगे तब तक मानसिक रूप से तैयार हो जाएंगे। हमें मजबूत बने रहने की जरूरत है। हम अन्य टीमों की तुलना में कुछ हद तक गर्मी के आदी हैं पर अभ्यास के पहले कुछ दिन यहां काफी थकान भरे रहे। तैयारी हालांकि अच्छी रही है और यहां आने से पहले हमने बेंगलुरु में एक शानदार कैंप लगाया था, जहां हमने सभी बातों पर ध्यान दिया था।

महिला क्रिकेट में भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता को लेकर कहा, मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी और चीज से ज्यादा प्रशंसकों की भावनाओं से जुड़ा है। ऐसा नहीं है कि खिलाड़ी एक-दूसरे से बात नहीं करते, यह दोनों देशों की भावनाएं हैं जो इसे इतना रोमांचक बनाती हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट के ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ है।

वैभव ने अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाया

चेन्नई (ईएमएस)। वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से सबसे तेज शतक का रिकार्ड बनाया है। वैभव ने ये शतक 58 गेंदों पर ही लगा दिया। इस बल्लेबाज ने 62 गेंदों में 14 चौकों और चार छक्कों की सहायता से 104 रन बनाये। उन्होंने विहान मल्होत्रा के साथ पहले विकेट के लिए 133 रन बनाये। विहान ने कुल 76 रनों की पारी खेली।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस चार दिवसीय मैच के पहले दिन भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 293 रनों पर ही समेट दिया। इसके बाद दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने बिना किसी नुकसान के 103 रन बना लिए थे। वहीं वैभव के रन आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई। भारतीय टीम ने शेष बचे नौ विकेट 163 रन पर खो दिये। भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे। इससे भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 296 रन ही बना पायी। उसे पहली पारी के आधार पर केवल तीन रन की बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से भारतीय मूल के लेग स्पिनर रामकुमार ने 4 और ऑफ स्पिनर ब्राउन ने 3 विकेट लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 110 रन बनाए।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के नये नियम से धोनी को होगा करोड़ों का नुकसान

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के नीयमों में बदलाव से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को करोड़ों का नुकसान हो सकता है। अब आईपीएल की अगली नीलामी में उन खिलाड़ियों को अनकैप्ड की लिस्ट में रखा जाएगा जिन्होंने 5 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और जिनके पास बीसीसीआई अनुबंध नहीं है। धोनी ने साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और उनके पास बीसीसीआई का अनुबंध भी नहीं है हालांकि नियमों के अनुसार वह 2025 आईपीएल खेलने के पात्र हैं। धोनी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2019 में खेला था।

धोनी ने आईपीएल 2024 सीजन की शुरुआत से पहले चेन्नई सुपरकिंग्स टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था. उन्हें तब सीएसके ने 12 करोड़ में रिटेन किया था। वहीं अब अगर सीएसके धोनी को बतौर अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन करती है तब उनके वेतन में करोड़ों की कमी करनी पड़ेगी।

वित्त वर्ष 2025 की पहली छःमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों में 19 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल से सितंबर तक कुल 8,36,621 इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,02,013 वाहनों की तुलना में ज्यादा है। हालांकि मासिक आधार पर वृद्धि मामूली रही, जहां सितंबर में 1.22 फीसदी वृद्धि हुई, जो अगस्त 2024 में बेचे गए 1,46,745 वाहनों से ज्यादा है।

सितंबर 2024में वार्षिक आधार पर ईवी की बिक्री में 24.65 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जिसमें 1,48,539 वाहन बिके,जबकि पिछले साल सितंबर में यह संख्या 1,19,163 थी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन डेटा के मुताबिक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बढ़ोतरी का यह रुझान बना हुआ है। सितंबर में बिक्री इस कैलेंडर वर्ष में तीसरी सबसे ज्यादारही,जबकिमार्च2024में 2,03,506 और जुलाई2024 में 1,69,746 वाहन बिके थे।

विश्लेषकों का मानना है कि श्राद्ध व पितृ पक्ष केचलते उपभोक्ताओं ने महंगी खरीदारी से परहेज किया इसके बावजूद यह आंकड़ा सकारात्मक रहा। इस दौरान वाहननिर्माताओंद्वारादिए गएऊंचे डिस्काउंट औरअन्यऑफर्स नेबिक्री में मामूली बढ़ोतरी का समर्थन किया है। उद्योग विशेषज्ञों को अक्टूबर 2024 में बिक्री और ज्यादा बढ़ोतरी की उम्मीद है,क्योंकि तीन अक्टूबर से त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है। इस दौरान 10से 15फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है, जिससे उद्योग को और ज्यादा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2025 की पहली छःमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों में 19 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल से सितंबर तक कुल 8,36,621 इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,02,013 वाहनों की तुलना में ज्यादा है। हालांकि मासिक आधार पर वृद्धि मामूली रही, जहां सितंबर में 1.22 फीसदी वृद्धि हुई, जो अगस्त 2024 में बेचे गए 1,46,745 वाहनों से ज्यादा है।

सितंबर 2024 में वार्षिक आधार पर ईवी की बिक्री में 24.65 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जिसमें 1,48,539 वाहन बिके, जबकि पिछले साल सितंबर में यह संख्या 1,19,163 थी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन डेटा के मुताबिक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बढ़ोतरी का यह रुझान बना हुआ है। सितंबर में बिक्री इस कैलेंडर वर्ष में तीसरी सबसे ज्यादा रही, जबकि मार्च 2024 में 2,03,506 और जुलाई 2024 में 1,69,746 वाहन बिके थे।

विश्लेषकों का मानना है कि श्राद्ध व पितृ पक्ष के चलते उपभोक्ताओं ने महंगी खरीदारी से परहेज किया इसके बावजूद यह आंकड़ा सकारात्मक रहा। इस दौरान वाहन निर्माताओं द्वारा दिए गए ऊंचे डिस्काउंट और अन्य ऑफर्स ने बिक्री में मामूली बढ़ोतरी का समर्थन किया है। उद्योग विशेषज्ञों को अक्टूबर 2024 में बिक्री और ज्यादा बढ़ोतरी की उम्मीद है, क्योंकि तीन अक्टूबर से त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है। इस दौरान 10 से 15 फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है, जिससे उद्योग को और ज्यादा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मुनाफावसूली से हल्दी की कीमतों में आई गिरावट, 5 फीसदी भाव नीचे आए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बीते कुछ दिनों से हल्दी की कीमतों में गिरावट नजर आ रही है। जानकारों के मुताबिक इसके दाम घटने की वजह मुनाफा वसूली है। बारिश से नुकसान की खबर से हल्दी के दाम चढ़ गए थे। इसलिए ऊंचे भाव पर बाजार में मुनाफा वसूली चल रही है। छोटी अवधि में हल्दी के भाव और गिर सकते हैं लेकिन लंबी अवधि में भाव बढ़ने की संभावना है।

कमोडिटी एक्सचेंज नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर हल्दी का अक्टूबर अनुबंध सप्ताह भर पहले 14,530 रुपए पर बंद हुआ था, यह बुधवार को खबर लिखे जाने तक 13,830 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस तरह सप्ताह भर में भाव में करीब पांच फीसदी की गिरावट आई है। आज भी इसके भाव में करीब 1.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अगस्त महीने में इसके भाव गिरकर 13 हजार रुपए से नीचे चले गए लेकिन पिछले महीने बारिश से नुकसान की खबर ने भाव बढ़कर 15 हजार रुपए करीब पहुंचा दिए थे।

कमोडिटी विश्लेषक ने बताया कि बीते दिनों हल्दी के भाव चढ़ गए थे। अब इसमें मुनाफावसूली होने से दामों में गिरावट आई है। स्टॉकिस्ट माल निकाल रहे हैं। इस साल हल्दी का रकबा 20 फीसदी ज्यादा होने से उत्पादन बढ़ने की संभावना है। बांग्लादेश से हल्दी की निर्यात मांग भी कमजोर हुई है। लिहाजा हल्दी के दाम में सुस्ती देखने को मिल रही है।

गांधी जयंती पर गुजरात, बिहार और बंगाल में सस्ता हुआ पेट्रोल, डीजल

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भले ही क्रूड (कच्चा तेल) महंगा हो रहा है पर गांधी जयंती के अवसर पर आज देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें गिरी हैं। दुनिया भर के बाजारों में आज क्रूड ऑयल बढ़कर एक 75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है पर गुजरात हो, बिहार हो या पश्चिम बंगाल जहां-जहां गांधी जी गये थे पेट्रोल और डीजन सस्ता हुआ है।

गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में पेट्रोल की कीमतें 50 पैसे कम हुई हैं और ये 94.50 रुपये प्रति लीटर पर है। वहीं डीजल भी 50 पैसे नीचे आकर 90.17 रुपये प्रति लीटर पहुंचा है जबकि पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में आज पेट्रोल 72 पैसे सस्ता हुआ और 104.66 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 68 पैसे सस्ता होकर 91.48 रुपये लीटर पर है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 32 पैसे की कमी के साथ ही 105.74 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 30 पैसे की कमी के साथ ही 92.57 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी तेजी आई है।

चारों महानगरों की बात करें तो दाम पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर है।

गांधी जयंती पर बंद रहा शेयर बाजार

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गांधी जयंती के अवसर पर बंद रहा। इसके बाजार में कोई कारोबार नहीं हुआ। आज ट्रेडिंग गतिविधियां, जिसमें इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज़ लेंडिंग और बॉरोइंग सेगमेंट बंद रहे। इसके अलावा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) भी कारोबारी सत्र में कामकाज नहीं हुआ। अब गुरुवार को बाजार में कारोबार होगा।

इस वर्ष में कुल 16 दिन बाजार बंद रहेंगे। अब बाजार सीधे दीपावली पर बंद रहेगा। दिवाली के दिन हालांकि बाजार मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए कुछ घंटों के लिए ही खोला जाता है। इससे पहले मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50, सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। बाजार गत दिवस हल्की गिरावट से बंद हुआ था।

2000 रुपए के 98 फीसदी नोट वापस आए, चलन से पूरी तरह बाहर

आरबीआई के इस कदम का उद्देश्य डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दो हजार रुपए के नोटों पर बड़ा अपडेट देते हुए कहा कि चलन से बाहर हुए इन नोटों का 98 फीसदी हिस्सा अब तक वापस आया है। 19 मई 2023 को 2000 रुपए के नोटों को बंद करने घोषणा की गई थी। उस समय बाजार में इन नोटों का कुल मूल्य करीब 3.6 लाख करोड़ रुपए था। अब यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 7,117 करोड़ रह गया है, जो बताता है कि ज्यादातर 2000 हजार के नोट जमा हो गए या एक्सचेंज करा लिए गए हैं।

आरबीआई के आंकड़ों के बाद स्पष्ट हो गया है कि 2000 रुपए के नोट अब करीब पूरी तरह से चलन से बाहर हो चुके हैं। 8 नवंबर 2016 को जब भारत में नोटबंदी लागू की गई थी, उस समय 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को बंद कर दिया गया था और 2000 रुपए के नोटों को चलन में लाया गया था ताकि नकदी संकट से निपटा जा सके लेकिन 2023 में आरबीआई ने इन्हें धीरे-धीरे वापस लेने का फैसला लिया। लोगों को 7 अक्टूबर 2023 तक अपने 2000 रुपए के नोट जमा करने या बदलवाने की सुविधा दी गई थी। इसके बाद भी, जो लोग समय सीमा में अपने नोट जमा नहीं कर पाए थे, उन्हें आरबीआई के 19 रीजनल ऑफिस और डाकघरों के जरिए से यह सुविधा दी गई।

आरबीआई ने पहले एक सितंबर 2024 को भी एक अपडेट जारी किया था, जिसमें यह बताया गया था कि 30 अगस्त 2024 तक 2000 रुपए के कुल 3.56 लाख करोड़ रुपए के नोट वापस आ चुके हैं। तब बैंकिंग प्रणाली में 7,261 करोड़ रुपए के नोट चलन में थे, जो अब घटकर 7,117 करोड़ रुपये रह गए हैं। आरबीआई का कहना है कि 2000 रुपए के नोटों की वैधता अब भी बरकरार है, यानी यह नोट अब भी लीगल टेंडर हैं और अवैध घोषित नहीं किए गए हैं लेकिन आरबीआई समय-समय पर बुलेटिन जारी करके नोटों की स्थिति और उनके आंकड़े प्रस्तुत कर रहा है। आरबीआई के इस कदम का उद्देश्य बाजार में नकदी प्रवाह को नियंत्रित करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है। 2000 रुपए के नोट की जगह अब छोटे मूल्यवर्ग के नोटों और डिजिटल भुगतान प्रणाली पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है।

48 लाख शादियां.......5.9 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान

कैट के ताजा अध्ययन में सामने आई जानकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। साल 2024 में सर्दियों में 12 नवंबर से शादियां शुरु हो जाएंगी। पिछले साल की तुलना में अधिक शादियां होने का अनुमान है। इससे इस साल शादियों के सीजन का कारोबार भी बढ़ने की उम्मीद है। इस साल अधिक शादियां होने की वजह पिछले साल की तुलना में शुभ तिथियां ज्यादा होना है। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस साल सर्दियों के सीजन यानी नवंबर-दिसंबर के दौरान शादियों को लेकर ताजा अध्ययन किया है। इसमें कैट ने इस सीजन में 48 लाख शादियां होने का अनुमान लगाया है। पिछले साल सामान सीजन में 35 लाख शादियां हुई थी। इस साल ज्यादा शादियां होने की मुख्य वजह शुभ तिथियां ज्यादा होना है। इस सीजन में कुल 18 शुभ तिथियां हैं, जबकि पिछले साल 11 ही शुभ तिथियां थी।

कैट की वेद एवं आध्यात्मिक कमेटी के संयोजक आचार्य दुर्गेश तारे के अनुसार इस वर्ष शादी का सीजन 12 नवंबर को देव उठनी एकादशी से शुरू होकर 16 दिसंबर तक रहेगा। नवंबर में शुभ तिथियां 12, 13, 17, 18, 22, 23, 25, 26, 28, और 29 हैं, जबकि दिसंबर में 4, 5, 9, 10, 11, 14, 15, और 16 हैं। इसके बाद विवाह कार्यक्रम करीब एक महीने तक रुक जाएंगे और जनवरी 2025 के मध्य से मार्च तक फिर शुरू होगा।

कैट ने 48 लाख शादियों से 5.9 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान जताया है। कारोबार में शादियों से जुड़ी सेवाओं और वस्तुओं पर होने वाला खर्च जुड़ा है। कैट के मुताबिक पिछले साल सीजन में 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने बताया कि 48 लाख शादियों में से 10 लाख शादियों पर प्रति शादी 3 लाख रुपये, 10 लाख शादियों पर प्रति शादी 6 लाख और 10 लाख शादियों पर प्रति शादी 10 लाख खर्च होने का अनुमान है। 10 लाख शादियां ऐसी होंगी, जिसमें प्रत्येक शादी पर 15 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसके साथ ही 7 लाख शादियों पर प्रति शादी 25 लाख रुपये खर्च हो सकते है। करीब एक लाख बहुत महंगी शादियां भी होंगी। जिसमें 50 हजार पर प्रति शादी 50 लाख रुपये और 50 हजार पर प्रति शादी 1 करोड़ रुपये या इससे अधिक खर्च होने का अनुमान है।

पेजर, वॉकी-टॉकी के बाद अब आईफोन धमाके का डर......सहम गया ईरान

तेहरान (ईएमएस)। लेबनान में पेजर धमाके के बाद अब ईरान में आईफोन विस्फोट की आशंका बढ़ गई है। ईरान के पूर्व कम्युनिकेशन मंत्री और सांसद रेजा टैगिपुर ने इसकी चेतावनी दी है। पिछले हफ्तों में पेजर से लेकर वॉकी-टॉकी तक में विस्फोट की घटनाएं हुई थी, और रेडियो सिस्टम तक को हैक किया गया था। इसमें ईरानी राजदूत सहित रिवॉल्यूशनरी गार्ड के कई जवान भी घायल हो गए थे। क्योंकि अब लेबनान में हिज्बुल्लाह के प्रमुख को भी मार गिराया गया है, माना जा रहा है कि इजरायल अब वेस्ट एशिया के बड़े क्षेत्र को अपने अनुकूल करने की राह पर है। आज आलम ये है कि इजरायली सेना ने गाजा में हमास का करीब-करीब खात्मा कर दिया और फिर हिज्बुल्लाह को भी तबाह कर दिया।

लेबनान में हिज्बुल्लाह चीफ के मारे जाने के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की भी खबर थी। हाल ही में पूर्व ईरानी राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद ने एक चौंकाने वाले खुलासे में दावा किया कि ईरान का सीक्रेट सर्विस हेड ही इजरायल का जासूस था। मसलन, विस्फोटक खुलासे से कई सवाल खड़े हो रहे हैं, जहां हमास के कम्युनिकेशन प्रमुख इस्माइल हानियेह की मौत भी मिस्ट्री बनी है। 2021 में उस मोसाद के एजेंट की पहचान हुई थी, लेकिन इससे आशंका बढ़ती है, कि आखिर मोसाद के जासूस किस हद तक समाए हो सकते हैं।

अहमदीनेजाद ने दावा किया कि यह कोई इकलौती घटना नहीं थी। उनके मुताबिक, ईरानी सीक्रेट सर्विस टीम में भी इजरायली जासूसों का जाल फैला हुआ था। उन्होंने बताया कि करीब 20 अतिरिक्त एजेंट जो इजरायली गुप्त सेवा गतिविधियों की निगरानी में लगे थे, वे भी मोसाद के लिए काम कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, इन कथित दोहरे एजेंटों ने इजराइल को ईरान के परमाणु कार्यक्रम की संवेदनशील जानकारी दी। वे 2018 में ईरानी परमाणु दस्तावेजों की चोरी और कई ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या में भी शामिल थे।

ईरान के हमलों की निंदा नहीं की.........यूएन चीफ के इजराइल आने पर बैन

तेल अवीव (ईएमएस)। ईरान के हमले के बाद इजराइल ने यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस के इजराइल आने पर रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल के विदेश मंत्री ने कहा कि यूएन चीफ ने ईरान के हमलों की निंदा नहीं की, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

दरअसल, मंगलवार रात ईरान ने इजराइल पर 180 बैलिस्टिक मिसाइल दागी थीं। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि हमला मोसाद हेडक्वार्टर, नेवातिम एयरबेस और तेल नोफ एयरबेस को निशाना बनाकर किया गया था। वहीं लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू होने के बाद बुधवार को पहली बार हिजबुल्लाह के लड़ाकों की इजराइली सेना से मुठभेड़ हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें 2 सैनिकों की मौत हो गई जबकि 18 घायल हुए हैं। यह मुठभेड़ लेबनान के ओडेसाह गांव में हुई। इजराइली सेना ने लेबनान में अपनी दूसरी टुकड़ी भेजने की भी घोषणा की। उसने लेबनान के 25 गांवों में रह रहे लोगों से इलाका खाली करने को कहा है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने इजराइल में कई मिलिट्री पोस्ट को निशाना बनाया है। हमले के लिए उन्होंने कुद्स 5 रॉकेट का इस्तेमाल किया। हूती समूह के प्रवक्ता याह्या सारी ने कहा कि जब तक इजराइल, लेबनान और गाजा में अपने हमले नहीं रोकता है, हम इजराइली सेना के खिलाफ ऑपरेशन को बढ़ाने में संकोच नहीं करने वाले है।

तुर्की ने लेबनान से अपने नागरिकों को निकलने को कहा

अंकारा (ईएमएस)। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने लेबनान से अपने नागरिकों को समुद्र या हवाई मार्ग से निकालने के लिए वैकल्पिक योजना तैयार की है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, लेबनान में सुरक्षा स्थिति बहुत ज्यादा खराब होने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय का कॉल सेंटर उन नागरिकों से आवेदन स्वीकार कर रहा है, जो संभावित निकासी में शामिल होना चाहते हैं। मंत्रालय ने बताया कि तुर्की के माध्यम से अन्य देशों से नागरिकों को निकालने के संबंध में दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं। अब तक समर्थन मांगने वाले लगभग 20 देशों के लिए तैयारियां चल रही हैं।

इजरायली सेना ने हमले की चेतावनी देकर लेबनान के नागरिकों से करीब 30 गांवों और कस्बों को खाली करने का आग्रह किया था। इसके पहले दावा किया था कि उसने रात में दक्षिणी लेबनान में जमीनी अभियान शुरू कर दिया है।

बता दें कि लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती नेकहा था कि उनका देश अपनी दक्षिणीसीमा पर इजरायल के साथ तनाव कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव1701को लागू करने के लिए तैयार है। यह घोषणा इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्ध विराम के लिए अंतरराष्ट्रीय अपील के जवाब में की गई थी।

ईरान के हमले के बाद इजरायल का अमेरिका और सहयोगी देशों ने किया बचाव

हमले में एक शख्स की मौत और एक आईडीएफ सैनिक हुआ घायल

येरुशलम,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में इस समय सबसे ज्यादा तनाव है। हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत और दक्षिणी लेबनान में इजरायल के ग्राउंड ऑपरेशन के बाद मंगलवार आधी रात को ईरान ने इजरायल पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं। ईरान का दावा है कि उन्होंने इजरायल पर 180 मिसाइलें दागी हैं। ऐसे में सवाल है कि इजरायल ने इतने बड़े हमले को नाकाम कैसे किया और जमीनी स्तर पर कितना नुकसान हुआ?

ईरान का यह हमला काफी स्ट्रैटेजिक था। ईरान ने तेल अवीव में इजरायल के तीन मिलिट्री बेस और खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर को निशाना बनाया था। इजरायल के मिलिट्री बेस पर मिसाइलें दागी गईं। टेल नोफ और नेवाटिम इजरायली सेना आईडीएफ के सबसे एडवांस मिलिट्री बेस हैं। सैटेलाइट फुटेज से पता चलता है कि नेवाटिम पर कुछ ही मिसाइलें गिरी थीं। इस हमले में ईरान ने फताह मिसाइलों का इस्तेमाल किया था। ईरान के इस हमले में एक शख्स की मौत हुई है और आईडीएफ का एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

इजरायल के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में इस हमले का थोड़ा बहुत नुकसान देखने को मिला है। मीडिया रिपोर्ट में इजरायली सेना के प्रवक्ता का कहना है कि इस हमले में वह इजरायल में हुई किसी की मौत की जानकारी उसे नहीं हैं। आईआरजीसी का कहना है कि उनकी ओर से दागी गई मिसाइलें टारगेट पर जाकर गिरी हैं जबकि इजरायली सेना का कहना है कि ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों में से ज्यादा को नष्ट कर दिया गया।

ईरान के हमले मुख्य तौर पर जेरूशलम और तेल अवीव को निशाना बनाकर किए गए थे। इन हमलों के बीच इजरायल में रातभर सायरन बजते रहे। तेल अवीव में सायरन बजते ही लोगों को जहां मौका मिला, वहां भागते नजर आए। सायरन बजते ही तेल अवीव में एक ब्रिज के नीचे इजरायली नागरिकों ने शरण ली। इजरायल में जगह-जगह बॉम्ब शेल्टर्स और बंकर्स बने हुए हैं, जहां बड़े पैमाने पर लोगों ने शरण ली। ईरान का कहना है कि अगर इजरायल इस हमले का जवाब देता है तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस बीच ईरान ने बुधवार तक कई फ्लाइट्स रद्द कर दी हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने इजरायल में मौजूद अमेरिकी सेनाओं को यहूदी राष्ट्र की रक्षा के आदेश दिए है, जिसके बाद अमेरिकी सेनाओं ने कई ईरानी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। अमेरिकी विदेश मंत्री का कहना है कि अमेरिका और उसे सहयोगी देशों ने ईरान के इस हमले को नाकाम कर दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भी ईरान हमले की निंदा की है। उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन कर मदद का आश्वासन दिया है। स्टार्मर ने कहा कि हम इजरायल के साथ खड़े हैं और संकट की इस घड़ी में इजरायल को आत्मरक्षा का अधिकार है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने इस साल अप्रैल महीने में भी इजरायल पर मिसाइलें दागी थीं। अप्रैल में ईरान ने इजरायल पर 100 बैलिस्टिक और 30 क्रूज मिसाइलें दागी थी लेकिन इस बार ईरान ने इजरायल पर जो हमला किया है, वह पिछले हमले से ज्यादा तेज और जोरदार था।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान साउदी का इस्तीफा

मुम्बई (ईएमएस)। पाकिस्तान की एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम के इस्तीफे के बाद अब न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने भी अपना पद छोड़ दिया है। अब साउदी की जगह कीवी टीम के भारत दौरे में . टॉम लेथम कप्तानी संभालेंगे। साउदी ने श्रीलंका के खिलाफ पारी की हार के एक दिन बाद ही कप्तानी छोड़ दी। साउदी ने कहा कि टीम की करना बड़े सम्मान की बात है। मैंने इस भूमिका को पूरी क्षमता के साथ निभाया पर मुझे लगाता है कि यह पद छोड़ने का सही समय है। '

न्यूजीलैंड की टीम को इसी महीने भारत दौरे पर एक टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसमें बल्लेबाज लेथम टीम की कमान संभालेंगे। साउदी की बात करें तो उन्होंने 14 टेस्ट मैचों में कप्तानी की जिसमें न्यूजीलैंड को 6 में जीत मिली और इतने ही मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है जबकि दो मैच ड्रॉ रहे हैं।

लेथम ने पहले भी कई बार कप्तानी की है। ऐसे में ये नई भूमिका उनके लिए कठिन नहीं रहेगी। वहीं दूसरी ओर पाक के लिए नये कप्तान को तलाशना आसान नहीं रहेगा। बाबर ने कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने कप्तानी छोड़ रहे हैं पर मुख्य कारण ये है कि टी20 विश्वकप में टीम की हार के बाद से ही उन्हें कप्तानी से हटाने को लेकर दबाव बढ़ता जा रहा था। टीम के पास अब नये कप्तान के लिए काफी कम विकल्प हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को कप्तानी मिल सकती है।

फिटनेस के मामले में क्रिकेटरों से कहीं आगे हैं हॉकी खिलाड़ी : हार्दिक

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा है कि हॉकी खिलाड़ी फिटनेस के मामले में क्रिकेटरों से कहीं आगे हैं। हार्दिक के अनुसार जिस यो-यो टेस्ट को आजकर फिटनेस का मानक माना जाता है उसमें भी हॉकी खिलाड़ियों का स्कोर क्रिकेटरों से कहीं बेहतर है। क्रिकेट में टीम चयन के दौरान यो-यो टेस्ट में पास होना जरुरी होता है।

भारतीय क्रिकेटरों में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को सबसे फिट एथलीटों में से एक माना जाता है पर उनका भी यो-यो टेस्ट स्कोर 17.2 है जबकि न्यूनतम आवश्यकता 16.5 होती है। क्रिकेट में यो-यो टेस्ट में 17-18 के स्कोर को काफी अच्छा माना जाता है। वहीं हार्दिक ने कहा कि पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ियों का यो-यो स्कोर 23 के करीब बना रहता है।

हार्दिक ने कहा कि क्रिकेट में अगर कोई यो-यो टेस्ट में 19 या 20 अंक बना रहा है तो लोग उसे सबसे फिट क्रिकेटर मानते है जबकि हॉकी में तो गोलकीपर पीआर श्रीजेश के ही 21 अंक हैं। हार्दिक ने कहा कि इंटरमिटेंट रिकवरी टेस्ट मुख्य स्तर 15 से शुरू होता है और इसमें 8 स्प्रिंट होते हैं।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान से कहा- माफी मांगें तभी रिश्ते सुधरेंगे

ढाका(ईएमएस)। शेख हसीना की सरकार बेदखल होते ही बांग्लादेश अनाथ सा हो गया है। उसे खुद नहीं मालूम की रिश्ते किससे बेहतर रखना है और किससे नहीं रखना है। केवल संभावनाओं और उम्मीदों की बुनियाद पर बांग्लादेश की सरकार चल रही है। पहले पाकिस्तान से दोस्ती के लिए हाथ बढ़ाया अब कह रहा है कि पहले 1971 में की गई अमानवीयता के लिए माफी मांगें तभी पाकिस्तान से रिश्ते बेहतर हो सकेंगे।हाल ही में बांग्लादेश में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने अंतरिम सरकार के कई बड़े सदस्यों से ढाका में मुलाकात भी की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहिद हुसैन ने कहा है कि मौजूदा सरकार ने पाकिस्तान को ऐसा नहीं लगने दिया है कि वह 1971 के मुद्दे को एक तरफ रखकर अच्छे रिश्ते चाह रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान माफी मांगता है, तो दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य करने में मददगार साबित होगा।उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान की तरफ से कुछ नहीं सुना है। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि अगर वो (पाकिस्तान सरकार) 1971 पर बात करने की हिम्मत दिखाए और कहे कि वे माफी मांगना चाहते हैं, तो संबंध आसान हो जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश चाहता है कि 1971 में निहत्थे बंगालियों पर किए अत्याचारों पर पाकिस्तान सार्वजनिक रूप से औपचारिक घोषणा कर माफी मांगे।

तौहिद हुसैन ने कहा, जापान द्वितीय विश्व युद्ध से ही अपने कामों के लिए माफी मांग रहा है। मेरा मानना है कि पाकिस्तान में अगर कोई सरकार हिम्मत दिखा सकती है और ऐसा बयान दे सकती है, तो रिश्तों का सामान्य होना और आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध चाहता है, लेकिन 1971 के मुद्दे रहेंगे। उन्होंने कहा, 1971 हमेशा हमारे दिल में है।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से मुलाकात के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दोनों देशों के रिश्तों पर बात की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शरीफ ने कहा था कि बांग्लादेश और पाकिस्तान को अपने संबंधों का नया अध्याय शुरू करना चाहिए।

क्रैथॉन तूफान से खतराः ताइवान में तबाही से बचाने के लिए दफ्तर, स्कूल, मार्केट और शेयर बाजार बंद

ताइपे(ईएमएस)। बेहद खतरनाक तूफान क्रैथॉन ने ताइवान की नींद उड़ा दी है। गुरुवार की सुबह कई शहरों में दस्तक देने वाले इस तूफान के खतरों को देखते हुए स्कूल,कॉलेज,दफ्तर, यहां तक की शेयर मार्केट भी बंद कर दिए गए हैं। इसके साथ ही, ताइवान में दर्जनों अंतरराष्ट्रीय उड़ानें और घरेलू उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। मौसम प्रशासन ने कहा कि तूफान की तीव्रता कम हो गई है, लेकिन तूफानी लहरों, तेज हवाओं और बारिश का खतरा अभी भी बना हुआ है। साल की शुरुआत में टाइफून गेमी के गंभीर प्रभावों के कारण, ताइवान के लोग इस बार और अधिक सतर्क हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने 38,000 जवानों को तूफान से निपटने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। इस प्रकार, ताइवान की सरकार और नागरिक इस संकट का सामना करने के लिए तैयार हैं और स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

ताइवान के मौसम विभाग ने कहा कि गुरुवार की सुबह काऊशुंग और उसके पड़ोसी शहर ताइनान के बीच तूफान आने की संभावना है, जिसके बाद यह पश्चिमी तट से होते हुए राजधानी ताइपे की ओर बढ़ेगा। सभी शहरों में एक दिन की छुट्टी घोषित की गई है। पूर्वी एशियाई देश ताइवान की सरकार इस समय एक गंभीर स्थिति का सामना कर रही है।

बुधवार को राजधानी ताइपे समेत देश के कई हिस्सों में सभी ऑफिस, स्कूल-कॉलेज और शेयर बाजार बंद कर दिए गए हैं। सरकार को यह चिंता है कि साल 1977 में आए एक खतरनाक समुद्री तूफान की यादें फिर से न लौट आएं। मौसम के पूर्वानुमानों में चेतावनी दी गई है कि एक समुद्री तूफान, जिसे क्रैथॉन नाम दिया गया है, बड़ी तबाही मचा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ताइवान के काऊशुंग तट पर तूफान की बड़ी लहरें उठने और मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। स्थानीय सरकार ने लोगों को घर पर रहने और समुद्र, नदियों और पहाड़ों से दूर रहने की सलाह दी है। सरकारी अधिकारियों ने 1977 के तूफान थेल्मा का संदर्भ देते हुए चेतावनी दी है, जिसमें समुद्री तूफान के कारण 37 लोगों की जान गई थी और 2.7 मिलियन की आबादी वाले शहर को भारी नुकसान हुआ था। ताइवान में आमतौर पर तूफान प्रशांत महासागर के सामने पहाड़ी और कम जनसंख्या वाले पूर्वी तट पर आते हैं, लेकिन इस बार क्रैथॉन तूफान पश्चिमी मैदान पर आने की संभावना है।

भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने चाहिये चार जीत

मुम्बई (ईएमएस)। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 की जीत के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं और बढ़ गयी हैं। भारतीय टीम पहले दो सत्र में भी

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची थी पर तब वह जीत हासिल करने में विफल रही थी। अब भारतीय टीम लगातार तीसरी बार फाइनल की ओर मजबूती से बढ़ रही है। भारतीय टीम को आने वाले समय में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर पर और फिर बाहर जाकर टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसमें किये प्रदर्शन के आधार पर ही उसका डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना तय होगा। भारतीय टीम को अभी 8 मुकाबले और खेलने हैं और इसमें अगर वह लगातार चार मैच जीतती है हो फाइनल में पहुंच जाएगी। इसमें न्यूजीलैंड के साथ अपनी धरती पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज शामिल है। उसे कीवी टीम को 3-0 से हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच जीतना होगा।

भारतीय टीम इस समय डब्ल्यूटीसीमें अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया दूसरे और श्रीलंका की टीम तीसरे स्थान पर है। भारत ने 11 टेस्ट खेलकर 8 में जीत दर्ज की है और 2 मुकाबले हारी है जबकि एक टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। इस प्रकार भारतीय टीम के कुल 98 अंक हैं और जीत का प्रतिशत 74.24 है। दूसरे नंबर पर कायम ऑस्ट्रेलिया ने 12 टेस्ट में 8 जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ के साथ 90 अंक हासिल किए हैं जबकि श्रीलंकाई टीम 9 मैच में 5 जीत और 4 हार के साथ तीसरे नंबर पर है। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम को अपने बचे बाकी के 8 टेस्ट में से सिर्फ 4 में जीत दर्ज करनी होगी। ऐसे में अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड को 3-0 से हराती है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1 मैच भी जीतती है तो वह फाइनल में पहुंच जाएगी।

भारतीय टीम अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज 2-1 से जीते या 1-0 से जीतती है तो उसके लिए फाइनल मे पहुंचना कठिन रहेगा। अगर ऐसा हुआ तो उसे श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका सीरीज में अफ्रीकी टीम की जीत की उम्मीद करनी होगी।

चीनी सरकार के आर्थिक पैकेज ने अर्थव्यवस्था को किया पुनर्जीवित

रातों रात बढ़ी अमीरों की संपत्ति, शेयर बाजारों में भी आया उछाल

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन की अर्थव्यवस्था पिछले कुछ सालों से गंभीर संकट झेल रही थी, जिसके कारण रियल एस्टेट सेक्टर और रोजगार सृजन में भी गिरावट देखने को मिली है। सरकारी प्रतिबंधों के चलते आम लोगों की मांग में कमी आई। हालांकि, पिछले एक साल में चीनी सरकार ने अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की भरपूरी कोशिश की है, लेकिन अधिकांश प्रयास असफल रहे।

चीनी सरकार ने सीधे वित्तीय लाभ देने का फैसला लिया, जिसके तहत कई आर्थिक पैकेज की घोषणा की। हाल ही में घोषित इस प्रोत्साहन पैकेज का प्रभाव चीन के शेयर बाजारों में साफ दिखाई दे रहा है, जहां भारी उछाल आया। इसके परिणामस्वरूप, चीन के 54 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति में करीब 19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि यह वृद्धि 30 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में दर्ज की गई, और यह 2016 के बाद से एक हफ्ते में संपत्ति में हुई सबसे बड़ी वृद्धि है, जिसमें कुल मिलाकर करीब 130 अरब अमेरिकी डॉलर का इजाफा हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस वृद्धि का कारण चीन के शेयर बाजार में आई तेजी है। सीएसआई 300 इंडेक्स में पिछले सप्ताह 25 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि देखी गई है। यह उछाल तब आया जब बीजिंग ने अपनी सुस्त अर्थव्यवस्था को गति देने कई अहम कदम उठाए, जैसे ब्याज दरों में कटौती और बैंकों के रिजर्व में कमी। इन कदमों ने बाजार में निवेशकों का विश्वास बढ़ाया और इंडेक्स में लगातार 9 दिन की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें सोमवार को 8.5 फीसदी की तेजी आई थी। यह 2008 के बाद से सबसे बड़ी तेजी थी।

पिछले तीन सालों में सख्त नीतियों से कई चीनी अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट आई थी, विशेषकर रियल एस्टेट और टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में। लेकिन हालिया तेजी ने इस स्थिति को पलट दिया है। टेक्नोलॉजी क्षेत्र में टेनसेंट होल्डिंग्स के को-फाउंडर पोनी मा को भी इस उछाल से फायदा मिला है। उनकी संपत्ति इस साल करीब 50 फीसदी से बढ़कर 51 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 4,23,150 करोड़ रुपये हो गई है। इसके अलावा, अलीबाबा ग्रुप के को-फाउंडर जैक मा की संपत्ति भी बढ़कर 36 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 2,98,800 करोड़ रुपए हो गई है। चीन के इस नए आर्थिक पैकेज का प्रभाव न केवल अरबपतियों की संपत्ति पर, बल्कि देश की समग्र अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है।

इजरायली सेना ने कई गांव को हिज्बुल्लाह के नियंत्रण से मुक्त कराया

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल की सेना ने लेबनान के अंदर 48 किलोमीटर तक घुसपैठ की है, इसके परिणामस्वरूप हिज्बुल्लाह के लड़ाके इलाके को छोड़कर भाग चुके हैं। हालांकि, कुछ संघर्ष लेबनानी सेना और बचे-कुचे हिज्बुल्लाह लड़ाकों के बीच जारी है। इस संघर्ष से करीब 10 लाख लोग इस क्षेत्र से भाग चुके हैं, जिससे स्थानीय जनसंख्या लगभग समाप्त हो गई है।

इजरायली सेना ने पूरे दक्षिणी लेबनान में अपना प्रभाव जमा लिया है। इजरायल की नेशनल सिक्योरिटी कैबिनेट ने इस ऑपरेशन को हिज्बुल्लाह के खिलाफ अगले चरण की लड़ाई के रूप में बताया है। यह इजरायली सेना द्वारा लेबनान की जमीन पर 50 वर्षों में चौथी बार घुसपैठ है, और 2006 में 34 दिन चले युद्ध के बाद पहली बार हो रहा है। इजरायल इस एक सीमित जमीनी ऑपरेशन के रूप में पेश कर रहा है, जिसमें वायुसेना की भी मदद ली जा रही है। आसमान से बमबारी और मिसाइलों के जरिए जमीनी फौज के लिए रास्ता साफ किया जा रहा है। इजरायल ने स्पष्ट किया है कि वह लंबे समय तक लेबनान पर कब्जा नहीं करेगा, लेकिन इजराइल यह भी नहीं बताया कि उसका वास्तविक इरादा क्या है। 01 अक्टूबर तक, इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के दो दर्जन गांवों को हिज्बुल्लाह के नियंत्रण से मुक्त करा लिया था। इजरायली सेना ने छोटे-छोटे हमलों के माध्यम से पूरे लेबनान की सीमा पर सक्रियता बढ़ाई है। हालांकि, हिज्बुल्लाह के प्रवक्ता मोहम्मद अफीफ ने इजरायली सेना के दावों को खारिज किया है।

पीएम मोदी ने गांधीजी की स्वच्छता संबंधी विचार धारा आगे बढ़ाई, हम स्वच्छता को कायम रखें

- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पोरबंदर में राज्य स्तरीय 'स्वच्छ भारत दिवस' समारोहपूर्वक मनाया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में पोरबंदर स्थित बिड़ला हॉल में राज्य स्तरीय 'स्वच्छ भारत दिवस' समारोहपूर्वक मनाया गया। 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' की थीम पर 'स्वच्छता ही सेवा' अंतर्गत आयोजित इस समारोह में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और राज्य के जलापूर्ति व जिला प्रभारी मंत्री कुँवरजी बावळिया भी उपस्थित थे। 'स्वच्छ भारत मिशन' के दस वर्ष तथा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के सात वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को वर्ष 2024 की 2 अक्टूबर को समग्र देश में 'स्वच्छ भारत दिवस' मनाया गया, जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का पोरबंदर में मुख्यमंत्री सहित महानुभावों एवं उपस्थित नागरिकों ने सीधा प्रसारण देखा। सभी महानुभावों तथा नागरिकों ने स्वच्छता पर प्रधानमंत्री का प्रेरणादायी वक्तव्य सुना।

'स्वच्छ भारत दिवस' के उपलक्ष्य में पोरबंदर के बिड़ला हॉल में राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट कहा कि स्वच्छता कोई कार्यक्रम नहीं है, अपितु एक जीवन शैली है और इसे हम अपनाएं। पूज्य महात्मा गांधी की विचारधारा का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि सत्य, समानता, सदाचार, स्वच्छता, स्वावलंबन, स्वराज व सेवा गांधीजी की विचारधारा को प्रस्तुत करते हैं। स्वच्छता मानव जीवन के सहज स्वभाव में बुन जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीजी की स्वच्छता संबंधी विचारधारा को आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री की अगुवाई में देशभर में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान तेज गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि राज्य का प्रत्येक नागरिक स्वच्छता को दैनिक रूप से अपने जीवन में अपनाए। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में बच्चों एवं महिलाओं के विराट योगदान का स्वागत करते हुए भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि स्वच्छता तो बहनों के स्वभाव में सहज रूप से बुनी हुई होती है। स्वच्छता अभियान का नई पीढ़ी पर इतना प्रभाव हुआ है कि अब तो छोटे बच्चे भी चॉकलेट के रैपर अथवा वेफर के पैकेट कूड़ेदान में ही डालते हैं। बड़े या परिवार के सदस्य यदि सड़क पर कूड़ा फेंकते हों, तो बच्चे उन्हें टोकते हैं। यह आनंद का विषय है। भूपेन्द्र पटेल ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा एवं दिशादर्शन से राज्य में स्वच्छता से जुड़े अनेक कार्य किए जा रहे हैं। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत भागीदारी से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्वच्छता तथा गांधीजी को एक-दूसरे का पूरक बताते हुए कहा कि गांधीजी व्यक्ति नहीं, अपितु महामानव हैं और उनके विचारों में स्वच्छता को अग्रिमता है। जिस तरह गांधीजी स्वच्छाग्रही थे, उसी तरह 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के माध्यम से समग्र राज्य प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने ग्रीन ग्रोथ के साथ पर्यावरण आधारित जीवनशैली अपनाने का अनुरोध किया है। भूपेन्द्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि हम सभी स्वच्छता को स्वभाव बना कर विकसित गुजरात के माध्यम से विकसित भारत का रोडमैप उकेरेंगे।

वडोदरा में तीन स्वेज पंपिंग स्टेशनों के संचालन और रखरखाव कार्य में ठेकेदारों की मिलीभगत

वड़ोदरा,2अक्टूबर

राजकोट, वडोदरा, धर्मजा के ठेकेदारों ने एक मंडली बनाकर वडोदरा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मांजलपुर, कलाली और याकूतपुरा में तीन सीवेज पंपिंग स्टेशनों के रखरखाव और संचालन के काम के संबंध में अनुमानित मूल्य से 7 प्रतिशत की वृद्धि की मांग की। तीन साल। तो नगर निगम व्यवस्था पर बोझ पड़ेगा।

गौरतलब है कि शहर के मांजलपुर इलाके में स्वेज पंपिंग स्टेशन के रखरखाव और संचालन के लिए तीन साल का अनुबंध देने का निर्णय लिया गया था. इस संबंध में टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद सबसे कम कीमत मिलने पर राजकोट की ठेकेदार पूजा कंस्ट्रक्शन से अनुमानित कीमत से 7 प्रतिशत अधिक की मांग की गई। जो तय कीमत सूची से 39,00,816 लाख रुपये ज्यादा थी। इसी तरह, वडोदरा स्थित ठेकेदार लक्ष्मीनारायण इंजीनियरिंग को तीन साल तक कलाली क्षेत्र में स्वेज पंपिंग स्टेशन के संचालन और रखरखाव के लिए 37,89,828 रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो तय कीमत से 7 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा याकूतपुरा इलाके में स्वेज पंपिंग स्टेशन के तीन साल के लिए रखरखाव और संचालन का ठेका धर्मजा के ठेकेदार को तय कीमत से7फीसदी अधिक पर 39,91,860 रुपये का भुगतान किया जाएगा. इस प्रकार नगर निगम व्यवस्था पर कुल 1,13,31,907 रुपये का भार आयेगा. इन तीनों कार्यों को मंजूरी के लिए स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

मर्डर और रेप जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त भाजपा नेताओं की कब परेड करवाएंगे राज्य के गृह मंत्री : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस ने गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी से सवाल किया है कि हत्या और बलात्कार जैसे गंभीर मामलों में लिप्त भाजपा नेताओं की सरकारी परेड करवाएंगे? अहमदाबाद में गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पार्थिवराज सिंह कठवाडिया ने कहा कि ''कानून के दायरे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे'' और ''दादा के राज में किसी की गुंडई नहीं चलने'' की शेखी बघारने वाले गृह मंत्री यह बताएं कि बलात्कार और हत्या जैसे गंभीर मामलों में संलिप्त भाजपा नेताओं की सरकारी परेड कब निकालेंगे? 22 सितंबर को वडोदरा शहर में काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने रेप की एफआईआर दर्ज की थी। बताया गया कि आरोपी आकाश गोहिल भाजपा से जुड़ा है और शिकायत के एक हफ्ते बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। सवाल यह है कि वह एक हफ्ते तक कहां था? इस बारे में उससे पूछताछ की जानी चाहिए। आकाश गोहिल वही आरोपी है जो अपने ऑडियो में कहा करता था कि मेरे पास पांच-पांच विधायक हैं। वडोदरा पुलिस ने ऐसा क्या किया जो उसे रेप के आरोपी की रिमांड नहीं मिल पाई? दस दिन पहले दुष्कर्म के आरोपी आकाश गोहिल को बिना एफआईआर के जेल भेज दिया गया। ऐसा क्यों हुआ? क्या पुलिस को इसकी जांच नहीं करनी चाहिए कि आरोपी कहां था? जो आरोपी अपने पास 5 विधायक होने की शेखी बघार रहा था, उसे कानूनी सबक सिखाने में गृहमंत्री पीछे क्यों हट गए? वड़ोदरा के मामले में पता चला है कि विधायक विदेश गए होने के कारण इंतजार कर रहे थे? गुजरात में पिछली कुछ घटनाओं में, जब गुजरात पुलिस द्वारा अपराधियों को सबक सिखाने के वीडियो सामने आए, तो पुलिस और गृह मंत्री उन अपराधियों के मुद्दे पर चुप क्यों रहे जो भाजपा से जुड़े हैं या संघ से? दाहोद में छह साल की बच्ची की हत्या कर दी गई, इतने गंभीर अपराध में पुलिस के वीडियो मीडिया में क्यों नहीं आ रहे? क्या नराधम गोबिंद नाथ का सरकारी परेड करवाई गई? कलकत्ता की चिंता करने वाले मुख्यमंत्री और गृह मंत्री दाहोद की घटना पर चुप्पी क्यों साधे बैठे हैं? वडोदरा रेप कांड पर चुप क्यों? मेहसाणा की रेप घटना पर चुप क्यों? जहां सिर्फ वाहवाही लूटने वाले बयान दिए जाते हों और जहां दोषी उन्हीं की पार्टी से जुड़े निकले हों, उस मामले पर चुप्पी साफ दर्शाती है कि भाजपा की कथनी और करनी में काफी अंतर है। क्या दाहोद में संघी गोबिंद नाथ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई? क्या भाजपा ने युवा मोर्चाके गौरव चौधरी की परेड कराई, क्या आटकोट के बलात्कारी भाजपा नेता मधु टाढानी और परेश राददिया को कानून का सबक सिखाया? मोमबत्ती लेकर निकलने और ट्वीट करने वाले नेताओं को दाहोद, वडोदरा, मेहसाणा, आटकोट (राजकोट) बलात्कार मामलों को लेकर सांप क्यों सूंघ गया है? क्या इन आरोपियों कोजेलमें विशेष सेवा का लाभ नहीं दिया जाता?

जीएमडीसी, अहमदाबाद में 'वाइब्रेंट नवरात्रि महोत्सव' में 'सरसमेलो' का आयोजन

अहमदाबाद,2 अक्टूबर

गुजरात की नवरात्रि पूरी दुनिया में मशहूर है. गुजरात लाइवलीहुड प्रमोशन कंपनी लिमिटेड महिलाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए राज्य के पारंपरिक त्योहारों को ग्रामीण हस्तशिल्प के साथ जोड़ने के लिए सखी मंडल की महिलाओं के लिए सरसमेला का आयोजन करती है। इस वर्ष जीएमडीसी, अहमदाबाद में 'वाइब्रेंट नवरात्रि महोत्सव-2024' में गुजरात पर्यटन द्वारा एक सरस मेला थीम वाले मंडप का निर्माण किया गया है।

इस मंडप में तीन से 13 अक्टूबर तक 22 स्टॉल लगेंगे। इस स्टॉल में राज्य के विभिन्न जिलों के ग्रामीण इलाकों से सखीमंडल अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करेंगे. मंडप राज्य भर में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार की गई अनूठी कला और शिल्प का प्रदर्शन करेगा। पर्यटन विभाग की सूची में कहा गया है कि इस मंच के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को कला में रुचि रखने वाले लोगों से रूबरू होने के साथ-साथ जीविकोपार्जन का भी मौका मिलेगा।

इस मंडप में पारंपरिक वस्त्र सजावट के साथ-साथ हस्तशिल्प और विभिन्न संरचनाओं के साथ गुजरात राज्य की कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जाएगा। आगंतुकों को भारत सरकार, गुजरात सरकार और गुजरात आजीविका संवर्धन कंपनी द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों और नीतियों के बारे में सूचित करने के लिए एक पैनल डिस्प्ले, एलईडी स्क्रीन भी स्थापित की गई है। ब्रांडिंग के लिए मंडप में दो फोटो कॉर्नर बनाए गए हैं, जहां आगंतुक यादगार पलों को कैद कर सकते हैं। मेले को यादगार बनाने के लिए एक ठआई लव सारसठ फोटोबूथ भी बनाया गया है।

मंडप में दो टच स्क्रीन कियोस्क के माध्यम से आगंतुक विभिन्न उत्पादों और सखी मंडलों के साथ-साथ उनके द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। मंडप को हस्तशिल्प और वास्तुकला से सजाया गया है, जो ग्रामीण गुजरात की संस्कृति और हस्तशिल्प उद्योगों को प्रदर्शित करता है। इसके अलावा, गुजरात के सखी मंडलों द्वारा निर्मित उत्पादों की एक डिजिटल कैटलॉग भी लॉन्च की जाएगी।

जीवंत नवरात्रि के दौरान हर दिन 30 से 40 हजार लोग आते हैं इसलिए इन महिलाओं को एक अच्छा बाजार मिलेगा जो भारत की विविध कारीगर विरासत को संरक्षित करने में मदद करेगा। इस खूबसूरत मेले का थीम मंडप गुजरात की समृद्ध कला विरासत का उत्सव है, जिसमें ग्रामीण महिलाओं के हस्तशिल्प पर विशेष ध्यान दिया गया है।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी भाजपा कार्यकर्ता पंचमहल के बाकरोल से गिरफ्तार

वडोदरा (ईएमएस) महिला के साथ दुष्कर्म के बाद जान से मार देने के आरोपी को वडोदरा पुलिस ने पंचमहल के बाकरोल से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी भाजपा कार्यकर्ता होने का खुलासा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित महिला किसी प्रसंग मेंपंचमहल गई थी। तब उस वक्त 22सितंबर की रात महिला का अकेली पाकर आकाश गोहिल नामक शख्स ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। दुष्कर्म के बाद किसी को कुछ बताने परमहिला को जान से मारने कीधमकी देकर आकाश गोहिल फरार हो गया था। इस संदर्भ में पीड़िता महिला ने वडोदरा के नंदेसरी पुलिसथानेमेंआकाशगोहिल के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। 10 दिनों के बाद वडोदरा पुलिस को सूचना मिली की आरोपी आकाश गोहिल ने पंचमहल के बाकरोल में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस नेबाकरोल में दबिश दी और आकाशगोहिलकोदबोच लिया। हांलाकि पुलिस को देख आरोपी ने भागनेका प्रयास किया था, लेकिन सफल नहीं हुआ। बताया जाता है कि आरोपी आकाश गोहिल भाजपा का कार्यकर्ता है और वडोदरा के मौजूदा व पूर्व सांसद का करीबी है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को शिकंज में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

भचाऊ में ट्रेक्टर और टेलर के बीच दुर्घटना में 3 लोगों की मौत, 15 लोग घायल

कच्छ (ईएमएस) जिले के कटारिया गांव के निकट ट्रेलर और ट्रेक्टर के बीच हुई भीषण दुर्घटना में 3 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रेक्टर में सवार 15 लोग बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा उस समय हुआ जब ट्रेक्टर में सवार लोग आशापुरा माता के मढ के दर्शन कर अपने गांव की ओर लौट रहे थे। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शरू की। जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले की हलवद तहसील के खाखरेजी गांव निवासी कोली परिवार ट्रेक्टर में आशापुरा माता के मढ में देवी माता के दर्शन करने गया था। देवी माता के दर्शन कर कोली परिवार अपने गांव की ओर लौट रहा था। रास्ते में कच्छ जिले की भचाऊ तहसील के कटारिया गांव के निकट एक ट्रेलर ने ट्रेक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि ट्रेक्टर में सवार कोली परिवार के तीन सदस्यों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि 15 जितने लोग बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायलों को निकट के अस्पताल पहुंचाया। खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज आगे की कार्यवाही शुरू कर दी।

आरबीआई के कदम से भाजपा के सहकारी घोटालों पर लटकती तलवार : संदीप मंगरौला

- कांग्रेस की आरबीआई से नियमों के अनुपालन में अपनी स्वतंत्र भूमिका निभाने की मांग

अहमदाबाद (ईएमएस) भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी नोटिस में बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट के क्रियान्वयन को लेकर सख्त कदम उठाने का आदेश दिया गया है। इन उपायों से अजय एच पटेल, शंकर चौधरी, दिलीप संघानी, जेठा आहीर, जयेश रादडिया, अरुणसिंहराणा, बिपिन पटेल और डॉलर कोटेचा जैसे कई भाजपा दिग्गजों को अपने जिला सहकारी बैंक पदों से हटना पड़ सकता है। संदीप मांगरोला की पेशकश पर आरबीआई ने यह कदम 06 सितंबर 2024 उठाया है। जिसमें सहकारी बैंकों में निदेशकों के कार्यकाल और पारदर्शिता से संबंधित मुद्दे उठाए गए थे। बैंकिंग विनियमन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करके निदेशक मंडल आठ साल से अधिक समय तक अपने पद पर नहीं रह सकता है। लेकिन सरकार के आशीर्वाद और रिजर्व बैंक के काले चश्मे के कारण ये वर्षों से अपने पदों पर बिराजमान हैं, ऐसे भाजपा के महारथियों की छुट्टी होने नौबत आ गई है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि उचित समय पर इस संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी। दरअसल गुजरात प्रदेश कांग्रेस के महासचिव संदीप मंगरोला ने इस मुद्दे पर 2 अक्टूबर गांधी जयंती आरबीआई मुंबई के हेड क्वार्टर में धरने पर बैठने की चेतावनी दी थी। जिसके बाद आरबीआई हरकत में आई है। आरबीआई की कार्यवाही से इन दिग्गजों के राजनीतिक और बैंकिंग करियर पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है।

आईडीएफसी लिमिटेड के साथ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का विलय सफलतापूर्वक पूरा हुआ

मुंबई, 28 सितंबर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक द्वारा आज बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान, बैंक ने घोषणा की कि उसने आईडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय पूरा कर लिया है। यह घोषणा शेयरधारकों और नियामकों से सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद की गई, और 1 अक्टूबर, 2024 से प्रभावी होगी।

विलय के परिणामस्वरूप, आईडीएफसी लिमिटेड के प्रत्येक 100 इक्विटी शेयर्स के लिए बैंक के 155 इक्विटी शेयर्स आवंटित किए जाएँगे। यह आवंटन उन शेयरधारकों पर लागू होता है, जिनके पास रिकॉर्ड तिथि, 10 अक्टूबर, 2024 तक आईडीएफसी लिमिटेड के शेयर्स हैं। उम्मीद है कि नियामक प्रक्रियाओं और मंजूरी के अधीन, शेयर्स 31 अक्टूबर, 2024 को या उससे पहले आईडीएफसी लिमिटेड के शेयरधारकों को जमा कर दिए जाएँगे।

सोमनाथ मंदिर के आसपास बुलडोजर कार्रवाई का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

सोमनाथ,2अक्टूबर

गुजरात में सोमनाथ मंदिर के आसपास कथित अवैध निर्माण पर हालिया बुलडोजर कार्रवाई अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई है। पाटनी मुस्लिम समाज पहुंचा सुप्रीम कोर्ट. याचिका में गिर सोमनाथ के कलेक्टर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की मांग की गई है। याचिका में दरगाह मंगरोल शाह बाबा, ईदगाह, प्रभास पाटन, वेरावल, गिर सोमनाथ और कई अन्य संरचनाओं के कथित अवैध विध्वंस का जिक्र है। अवमानना याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा बुलडोजर संचालन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ हुई।

सुप्रीम कोर्ट में दायर अवमानना याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए गुजरात के गिर सोमनाथ में सदियों पुरानी मस्जिदों, मकबरों और घरों को अवैध रूप से ध्वस्त कर दिया गया है। बुलडोजर से तोड़फोड़ के खिलाफ याचिकाओं पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ सुनवाई करेगी. आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने आज तक देशभर में तोड़फोड़ पर रोक लगा रखी थी.

गुजरात में सोमनाथ मंदिर से 1.5 किमी की दूरी पर सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण को शुक्रवार देर रात हटा दिया गया। इस दौरान की गई कार्रवाई में 15 हेक्टेयर सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण हटाया गया है और इसकी कीमत 60 करोड़ रुपये बताई जा रही है. दरअसल, उज्जैन कॉरिडोर की तरह सोमनाथ में भी कॉरिडोर बनाया जाना है, जिसके लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिल गई है. सोमनाथ मंदिर के विकास के लिए कई योजनाओं पर काम किया जा रहा है।

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने तोड़फोड़ यानी बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी. यह रोक 1अक्टूबर तक लगाई गई थी. कोर्ट ने कहा कि सिर्फ सार्वजनिक अतिक्रमण पर ही कार्रवाई होगी. कोर्ट ने राज्यों को बुलडोजर कार्रवाई पर निर्देश देते हुए कहा कि बुलडोजर न्याय बंद होना चाहिए. कानूनी प्रक्रिया के तहत ही अतिक्रमण हटाएं। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि नोटिस के बाद हीअवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया जा रहा है. इस पर जस्टिस बीआरगवईने कहा किसड़कों, गलियों, फुटपाथों या सार्वजनिक स्थानों पर अवैध निर्माण को उचित प्रक्रिया के साथ ध्वस्त करने की अनुमति दी जाएगी।

वडोदरा में साफ-सफाई के लिए कूड़ा ट्रांसफर यूनिट बढ़ाई जाएंगी

वडोदरा,2अक्टूबर

वडोदरा में विश्वामित्री नदी का स्तर तेजी से गिर रहा है, बीमारी को फैलने से रोकने के लिए निचले इलाकों में सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। स्थायी समिति के अध्यक्ष के अनुसार, पानी कम होने के बाद क्लोरीन की गोलियों का वितरण, चिकित्सा टीमों द्वारा घर-घर सर्वेक्षण और कचरा संग्रहण बढ़ा दिया गया है। सिस्टम को राहत है कि इस बार बाढ़ की स्थिति पिछली बार जितनी गंभीर नहीं है.

आज 2 अक्टूबर को निगम की ओर से गोत्री झील पर सफाई अभियान चलाया गया. एक बातचीत में आयुक्त ने कहा कि वडोदरा निगम अब एक साल में सफाई अभियान को वर्तमान से भी अधिक सघन बनाने की योजना बना रहा है. खुले कूड़ा प्वाइंट कम किए जाएंगे और कूड़ा ट्रांसफर इकाइयां बढ़ाई जाएंगी। संसाधन बढ़ाए जाएंगे. कचरे से एक चक्रीय अर्थव्यवस्था उत्पन्न करने का भी प्रयास किया जाएगा, इतना ही नहीं, शहर की झीलों को साफ रखने पर अधिक ध्यान दिया जाएगा।

शुरू हुआ मेन्स ज्वेलरी का नया दौरः मेन ऑफ प्लेटिनम ने पेश किया एमएस धोनी सिग्नेचर कलेक्शन

26 सितंबर, 2024: प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल (पीजीआई) इंडिया के मेन ऑफ प्लेटिनम ने एमएस धोनी सिग्नेचर कलेक्शन लॉन्च किया है, जो महान क्रिकेटर, एमएस धोनी के प्रेरक मूल्यों को अमर कर रहा है। यह एक्सक्लुसिव कलेक्शन न केवल एमएस धोनी की साफ-सुथरी छवि और बेहतरीन करियर को प्रतिबिंबित करता है, बल्कि उनके बेजोड़ चरित्र और महानता का प्रदर्शन भी करता है।

दुर्लभ प्लेटिनम में और अदम्य भावना के साथ निर्मित इस संग्रह की हर ज्वेलरी एमएस धोनी की स्थायी विरासत को समर्पित है। धोनी के दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, साहस, विनम्रता, और धैर्य के गुणों से प्रेरित इस श्रृंखला की हर ज्वेलरी उनके इन गुणों की कहानी कहती है। वो ही असली 'मैन ऑफ प्लेटिनम' हैं और इस अद्वितीय व सीमित प्लेटिनम ज्वेलरी कलेक्शन की बेजोड़ प्रेरणा हैं, जिसे पहनने वाले लोगों में भी वैसी ही महानता जाग उठेगी।

प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल, इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर, वैशाली बनर्जी ने कहा, ''हमें खुशी है कि इस अद्वितीय कलेक्शन के लिए हमें एमएस धोनी के साथ गठबंधन करने का अवसर मिला। इस कलेक्शन की हर ज्वेलरी पर उनके हस्ताक्षर हैं, इसलिए यह बहुत खास है।

OPPO India ने इस फेस्टिव सीजन को ख़ास बनाने के लिए पेश किया Reno12 Pro Manish Malhotra लिमिटेड एडिशन

नेशनल, 27 सितंबर, 2024: **OPPO Iåia ves OPPO Reno12 Pro 5G Manish Malhotra** लिमिटेड एडिशन लॉन्च किया है, जो भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपरा को समर्पित है। मनीष मल्होत्रा के प्रतिष्ठित वर्ल्ड कलेक्शन से प्रेरित, यह स्पेशल एडिशन काले रंग के बैक पैनल में फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी और गोल्डन कलर की नक्काशी के साथ भारतीय डिज़ाईन की भव्यता और विरासत प्रदर्शित करता है।**12GB RAM** और **256GB** स्टोरेज के साथ **OPPO Reno12 Pro Manish Malhotra** लिमिटेड एडिशन 36,999 रुपये में उपलब्ध होगा। लिमिटेड एडिशन के लिए प्रिऑर्डर शुरू हो चुके हैं, पहली सेल 3 अक्टूबर को होगी। दीवाली गोल्ड कलर में ऑल न्यू **OPPO Reno12 Pro Manish Malhotra** लिमिटेड एडिशन कस्टमाईज़्ड बॉक्स और एक्सक्लुसिव वॉल पेपर के साथ आएगा।

एसबीआई कार्ड ने सिंगापुर एयरलाइंस के साथ साझेदारी की

सुपर-प्रीमियम को-ब्रांड क्रेडिट कार्ड 'क्रिसफ्लायर एसबीआई कार्ड' लॉन्च किया

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर2024:भारत के सबसे बड़े प्योर - प्ले क्रेडिट कार्ड एसबीआई कार्डनेसिंगापुर की राष्ट्रीय एयरलाइंस सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड (एसआईए) के साथ आज क्रिसफ्लायरएसबीआई कार्ड लॉन्च किया। इस अनूठे यात्रा केंद्रित सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड को सुपर-प्रीमियम कार्डधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिएडिज़ाइन किया गया है जिसका लाभ ग्राहकों को हवाईयात्रा और जमीन दोनों प्राप्त होगा।एसआईए के इस समूह में सिंगापुरएयरलाइंस, स्कूट एयरलाइन, क्रिसशॉप डॉट कॉम, क्रिस+ लाइफस्टाइल ऐप और पेलेगो शामिल हैं। नए लॉन्च किए गए क्रेडिट कार्ड दो रूपों मेंउपलब्ध है - क्रिसफ्लायर एसबीआईकार्ड और क्रिसफ्लायर कार्ड एपेक्स।

इस साझेदारी के साथ, क्रिसफ्लायरएसबीआई कार्ड के ग्राहक अपनी यात्रा खर्चों पर कई बड़े पुरस्कार और तमाम तरह के लाभ प्राप्त कर सकेंगे। क्रिसफ्लायर एसबीआईकार्ड पर 3,000 क्रिसफ्लायरमाइल्स और क्रिसफ्लायर एसबीआईकार्ड एपेक्स पर 10,000 क्रिसफ्लायरमाइल्स के एक्सक्लूसिव वेलकम ऑफ़र के साथ इसकार्ड का उद्देश्य अपने चुनिंदा ग्राहकों को अद्वितीय सुविधा और लक्जरी प्रदान करनाऔर उनकी यात्राओं को एक नए तरह का अनुभव देना है। कार्डधारक हर साल 80,000 या इससे ज़्यादा क्रिसफ्लायरमाइल्स तक प्वाइंट्स कमा सकते हैं। ग्राहक एसबीआई कार्ड स्प्रिंट के माध्यम से एसबीआई कार्ड वेबसाइट **(SBI Card.com)**पर जाकर कार्ड के लिए डिजिटल रूप से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, और एसबीआईकार्ड रिटेल कियोस्क पर जाकर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी कर सकते हैं।

लॉन्च के अवसर पर, एसबीआई कार्ड के एमडी और सीईओश्री अभिजीत चक्रवर्ती ने कहा: ''आय में वृद्धि,प्रौद्योगिकी की तेजी से प्रगति और डिजिटलीकरण के साथ ही,अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के खर्चों में भी एक नया वर्ग उभर कर सामने आया है। हमें सुपर-प्रीमियम कार्डधारक सेगमेंट में बेहतरीन और शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए सिंगापुर एयरलाइंस के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है, जिसके कई लाभ हैं और इस उद्योग में एक नए पैमाने स्थापित करते हैं। हमारीसाझेदारी का मकसद एसबीआई कार्ड के सुरक्षित और सरल भुगतान समाधानों और सिंगापुर एयरलाइन के शानदार नेटवर्क और विश्व स्तरीय उड़ान अनुभव को जोड़कर, ग्राहकों के यात्रा अनुभवों को एक नई दिशा के लिए उठाया एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर बोलते हुए,सिंगापुर एयरलाइंस के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट लॉयल्टी मार्केटिंगश्री ब्रायन कोह ने कहा: ''क्रिसफ्लायरकी यात्रा एक एयरलाइन लॉयल्टी प्रोग्राम से शुरू होकर एक ट्रेवल और जीवन शैली - केंद्रित पुरस्कार कार्यक्रम में विकसित हुई है जो हमारे ग्राहकों के लिए पूरे विश्व में खास फायदों का पिटारा खोलता है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा में तेजी से बढोतरी हुई है, और एसबीआई कार्ड जैसे भरोसेमंद केव्यापक सहभागिता के साथ, यह विशेष को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड, भारत में हमारे ग्राहकों को माइल्स और विशेषाधिकार अर्जित करने का एक नया अवसर देता है, जिनका लाभ सिर्फ हमारे साथ उड़ान भरने तक सीमित नहीं है। हम एसबीआई कार्ड के साथ सहयोग करके बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहे हैं जो निश्चित रूप से एक बहुत ही सफल साझेदारी होने वाली है।ठ

भाई लाल अमीन जनरल अस्पताल में रीढ़ की हड्डी में तपेदिक की जटिल सर्जरी से एक 22 वर्षीय पुरुष सफलतापूर्वक ठीक हो गया

वडोदरा स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस के एक दुर्लभ और जानलेवा मामले में, एक 22 वर्षीय व्यक्ति की वडोदरा के भाई लाल अमीन जनरल अस्पताल में सफल आपातकालीन सर्जरी की गई। एक अन्य अस्पताल में रहने के दौरान, मरीज को शुरू में ऊपरी कंधे में, रीढ़ की हड्डी की दो हड्डियों के बीच, पुराने दर्द की समस्या हुई, जो 7 से 10 दिनों में खराब हो गई। इसके बाद 12 से 14 घंटों की अवधि में, रोगी की स्थिति अचानक गंभीर रूप से बिगड़ गई, जिसके परिणामस्वरूप निचले पैर में पक्षाघात और मूत्र प्रतिधारण हो गया। मरीज वडोदरा का रहने वाला है, जिसे 19 अगस्त 2024 को बैलाल अमीन जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले का नेतृत्व डॉ. ने किया था। निमेश पटेल, सलाहकार न्यूरो सर्जन द्वारा किया गया। बाह्य रोगी अस्पताल में मूल्यांकन करने पर, एमआरआई इमेजिंग से रीढ़ की हड्डी के डी3-डी4 में एक गंभीर स्थिति का पता चला। इमेजिंग परिणामों से पता चला कि रीढ़ की हड्डी में एक तपेदिक ट्यूमर था, जिसके कारण रीढ़ की हड्डी गंभीर रूप से संकुचित हो गई थी। डॉ। निमेश पटेल, सलाहकार न्यूरोसर्जन के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में, सर्जरी से पहले, रोगी को पहले छाती के पीछे डी2 से डी5/डी6 कशेरुकाओं पर पेंच निर्धारण के साथ पुनः स्थापित किया गया था। इससे मरीज के दाहिने निचले अंग में ग्रेड 0/5 शक्ति और बाएं अंग में ग्रेड 1/5 शक्ति रह गई। स्पाइनल स्टेनोसिस, हालांकि दुर्लभ है, लेकिन जब यह रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करता है तो गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है, अगर समय पर इलाज न किया जाए तो संभावित रूप से मस्तिष्क क्षति हो सकती है। भाईलाल अमीन जनरल हॉस्पिटल के सलाहकार न्यूरो सर्जन डॉ. प्रक्रिया के तकनीकी पहलुओं के बारे में बताते हुए, निमेश पटेल ने कहा, ठछाती के पीछे रीढ़ की हड्डी के संपीड़न के कारण सर्जरी बेहद जटिल थी, जो सर्जरी के लिए एक दुर्लभ और नाजुक क्षेत्र है। हमारा प्राथमिक लक्ष्य रीढ़ को तुरंत सीधा करना था।ठ मूल स्थिति और आगे की क्षति को रोकने के लिए रीढ़ को स्थिर करें।

ओला इलेक्ट्रिक ने 'नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम' लॉन्च किया, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और #EndICEAge के लिए 600 से ज्यादा पार्टनर्स जोड़े

बैंगलुरू, 26 सितंबर, 2024: भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज अपना नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम लॉन्च किया। इस प्रोग्राम का उद्देश्य ईवी क्रांति को बढ़ाकर भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों तक ले जाना है, जिसमें वो शहरी इलाके शामिल हैं, जहाँ तक ईवी का विस्तार कम हुआ है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कंपनी ने भारत में अपने सेल्स के फुटप्रिंट बढ़ाने के लिए 625 पार्टनर्स को जोड़ा है। ओला इलेक्ट्रिक द्वारा इस साल त्योहारों से पहले पार्टनर्स की संख्या को बढ़ाकर 1000 तक ले जाया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने 2025 के अंत तक अपने सेल्स और सर्विस नेटवर्क में 10,000 पार्टनर्स को जोड़ने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना के बारे में भी बताया।

'नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम' द्वारा ओला को अपने प्रतिस्पर्धियों से बढ़त मिलेगी क्योंकि इसके अंतर्गत पार्टनर्स ऑटोमोटिव उद्योग के पारंपरिक डीलरशिप मॉडल के मुकाबले कम निवेश में ज्यादा तेजी से विस्तार कर सकते हैं।

इस समय ओला के पास लगभग 800 कंपनी-ओन्ड स्टोर हैं, और 'नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम' के साथ आगामी त्योहारों से पहले इसके पास लगभग 1,800 सेल्स एवं सर्विस टच प्वाईंट्स हो जाएंगे।

इस बारे में भाविश अग्रवाल, चेयरमैन एवं एमडी, ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, ''हमारा डी2सी मॉडल सस्टेनेबल व्यवसायिक वृद्धि लाने में काफी सफल रहा है। अब नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम से हमारे डी2सी नेटवर्क के लाभों का और ज्यादा तेजी से विस्तार होगा क्योंकि इसमें पार्टनर्स कम निवेश में बहुत तेजी से विकास कर सकते हैं। जहाँ कंपनी-ओन्ड स्टोर हमारे सेल्स और सर्विस नेटवर्क का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे, वहीं देश के शहरी और ग्रामीण बाजारों में गहराई तक विस्तार करने में यह प्रोग्राम मुख्य भूमिका निभाएगा। हम ईवी को बढ़ावा देने और **#EndICEAge** के लिए अपने नेटवर्क में निवेश और विस्तार जारी रखेंगे और जल्द ही देश में अपने नेटवर्क पार्टनर्स की संख्या 10,000 तक ले जाएंगे।''

ओला इलेक्ट्रिक द्वारा आकर्षक मूल्यों में छह उत्पाद पेश किए जा रहे हैं। एस1 का विस्तृत पोर्टफोलियो अलग-अलग रेंज की जरूरतों को पूरा करता है। प्रीमियम पेशकश एस1 प्रो और **S1** एयर की कीमत क्रमशः रु.1,34,999 और रु.1,07,499 है, जबकि मास मार्केट पेशकशों में **S1 X±** की कीमत रु.89,999 और **S1 X** पोर्टफोलियो (**2 kWh, 3 kWh** और **4 kWh**) की कीमत क्रमशः रु.74,999, रु.87,999 और रु.101,999 है।

कंपनी ने हाल ही में अपनी रोडस्टर मोटरसाइकिल सीरीज़ लॉन्च की है, जिसमें रोडस्टर एक्स (**2.5 kWh, 3.5 kWh, 4.5 kWh**), रोडस्टर (**3.5 kWh, 4.5 kWh, 6 kWh**) और रोडस्टर प्रो (**8 kWh, 16 kWh**) शामिल हैं। ये मोटरसाइकिल्स अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और परफॉरमेंस फीचर्स के साथ आती हैं, जिनके मूल्य क्रमशः 74,999 रुपये; 1,04,999 रुपये और 1,99,999 रुपये से शुरू होते हैं।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96